लोकसभा में डिबेट के दौरान स्पीकर ओम बिड़ला वायनाड के कांग्रेस सांसद राहुल गांधी पर बेहद गुस्सा हुए। राहुल गांधी को इस दौरान न सिर्फ उनकी नाराजगी झेलनी पड़ी बल्कि उन्हें भाजपा सांसद कमलेश पासवान ने भी कड़ा जवाब दिया।

जनहितैषी

हिन्दी दैनिक

R.N.I. No. 63177/95 वर्ष:27 अंक: 53 दिनांक: 04-02-2022 शुक्रवार मूल्य : 100 पैसा पृष्ठ:4 अहमदाबाद M

भारतीय विदेश मंत्रालय ने चीन पर ओलंपिक खेलों के राजनीतिकरण करने का आरोप लगाया है। भारत ने गलवान घाटी में भारतीय सेना और चीनी आर्मी के बीच हुए संघर्ष में शामिल सैनिक को खेलों का मशाल धावक बनाने का विरोध किया है।

संसद में दो भारत की टिप्पणी पर भाजपा नेताओं ने राहुल गांधी को चौतरफा घेरा

नई दिल्ली। दो भारत और न्यायपालिका पर सरकारी कब्जे की बात करने वाले कांग्रेस नेता राहुल गांधी को भाजपा ने कठघरे में खड़ा कर दिया है। कुछ इतिहास की तो कुछ वर्तमान की घटनाओं का प्रत्यक्ष परोक्ष हवाला देते हुए केंद्रीय अल्पसंख्यक कार्य मंत्री मुख्तार अब्बास नकवी, कानून मंत्री किरण रिजिजू, सांसद बी. पांडा ने तीखा तंज किया। दो भारत और न्यायपालिका पर सरकारी कब्जे की बात करने वाले कांग्रेस नेता राहुल गांधी को भाजपा ने कठघरे में खड़ा कर दिया। कुछ इतिहास की तो कुछ वर्तमान की घटनाओं का प्रत्यक्ष परोक्ष हवाला देते हुए केंद्रीय मंत्री मुख्तार अब्बास नकवी किरण रिजिजू सांसद बी. पांडा ने तंज किया।

नकवी ने याद दिलाया कि तत्काल तीन तलाक का मुद्दा हो या फिर इलाहाबाद हाई कोर्ट का, कांग्रेस काल में सैकड़ों ऐसे उदाहरण हैं, जब न्यायपालिका के फैसले को खुद के हित के लिए बदला गया। उन्होंने कहा कि कांग्रेस काल में 'इंदिरा इज इंडिया, इंडिया इज इंदिरा' और 'कांग्रेस इज कंट्री एंड कंट्री इज कांग्रेस' का नारा दिया गया था, आज भी वहां कुछ लोग उसी हैंगओवर में हैं और वही दो भारत की बात कर रहे हैं। आज एक भारत श्रेष्ठ भारत है। बुधवार को लोकसभा में राष्ट्रपति के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव पर चर्चा के दौरान राहुल गांधी ने सरकार पर आरोप लगाए थे कि वह लोकतंत्र को कुचल रही है। राष्ट्रपति के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव पर चर्चा के दौरान गुरुवार को मुख्तार अब्बास नकवी ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी के बुधवार के भाषण पर पलटवार किया। नकवी ने कहा, आज कहा जा रहा हैं, कि दो हिंदुस्तान हो गया है। आज देश में दो भारत चल रहा है। हमारी समझ में हमारा भारत एक भारत है, श्रेष्ठ भारत है। हिंदुस्तान को समझने के लिए, संस्कृति और संस्कार को समझने के लिए हमें इंडिया इज इंदिरा और इंदिरा इज इंडिया, कांग्रेस इज कंट्री और कंट्री इज कांग्रेस के शुरूर और सोच से बाहर आना होगा। जब तक हम इसके सुरूर के हैंगओवर में रहने वाले हैं, तब तक हम हिंदुस्तान की गौरवशाली संस्कृति को समझ नहीं पाएंगे।'

लखीसराय के बाद औरंगाबाद में नक्सलियों से मुठभेड़

नई दिल्ली (ईएमएस)। लखीसराय के बाद औरंगाबाद जिले के मदनपुर थाना क्षेत्र में लंगुराही और पचरुखिया के जंगलों में पुलिस नक्सलियों के बीच मुठभेड़ हुई है। मुठभेड़ में कोबरा, सीआरपीएफ और जिला पुलिस की टीमें शामिल है। मुठभेड़ में दोनों तरफ से दर्जनों राउंड गोली चली है। प्राप्त जानकारी के अनुसार पुलिस टीम सर्च ऑपरेशन पर थी। जंगलों में नक्सलियों के द्वारा गोली चलाई गई। इसके बाद पुलिस टीम ने भी जवाबी कार्रवाई शुरू की। नक्सलियों ने आईईडी विस्फोट भी किया है। हालांकि इसमें सुरक्षा बलों को कोई नुकसान नहीं हुआ है। औरंगाबाद के एएसपी अभियान मुकेश कुमार ने मुठभेड़ की पुष्टि करते हुए बताया कि गुरुवार को पुलिस और कोबरा की टीम जंगलों में सर्च ऑपरेशन चला रही थी। करीब 12 बजे के बाद नक्सलियों ने फायरिंग शुरू कर दी। जवाबी कार्रवाई के बाद नक्सली पीछे हटे हैं। दोनों तरफ से रुक रुक कर गोलीबारी हो रही है। पुलिस बलों को कोई नुकसान नहीं हुआ है। पुलिस ने यह भी दावा किया है कि एरिया कमांडर अर्जुन कोड़ा को भी गोली लगी है। नक्सली अर्जुन कोड़ा और बालेश्वर कोड़ा की टीम की मूवमेंट की जानकारी मिलने पर पुलिस टीम ने कांबिंग की। पुलिस को देखते ही नक्सलियों ने गोलियां चलाईं। पुलिस की जवाबी कार्रवाई में दो नक्सली मारे गए हैं। बीपीजेएसएसई के सेक्रेटरी परवेज के साथ अमूमन रहने वाले वीरेंद्र कोड़ा और एक अन्य हार्डकोर नक्सली जगदीश कोड़ा को पुलिस ने मार गिराया है। जगदीश कोड़ा के विरुद्ध कई मामले दर्ज हैं।

मुस्लिम लड़कियों को हिजाब पहनने के लिए शिक्षा से वंचित किया जाता है - महबूबा मुफ्ती

श्रीनगर (ईएमएस)। जम्मू कश्मीर की पूर्व मुख्यमंत्री महबूबा मुफ्ती ने आरोप लगाया कि मुस्लिम लड़कियों को हिजाब पहनने के लिए शिक्षा से वंचित किया जाता है। कर्नाटक के एक कॉलेज में हिजाब पहनने वाली मुस्लिम छात्राओं को प्रवेश करने से रोकने की ख़बर के बाद महबूबा मुफ्ती का यह बयान आया है।

जेकेपीडीपी प्रमुख ने कहा - 'केंद्र सरकार का लड़कियों को शिक्षित करने का नारा खोखला है क्योंकि मुस्लिम लड़कियों को हिजाब पहनने के लिए शिक्षा से वंचित किया जाता है। कर्नाटक के एक कॉलेज में हिजाब पहनने वाली मुस्लिम छात्राओं को प्रवेश करने से रोकने वाली घटना इसकी गवाह है।'

महबूबा ने एक ट्वीट में यह बात यह आरोप लगाते हुए लिखा - 'बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ एक और खोखला नारा है। मुस्लिम लड़कियों को सिर्फ उनकी पोशाक के कारण शिक्षा के अधिकार से वंचित किया जा रहा है।' महबूबा मुफ्ती ने कहा कि 'मुसलमानों के हाशिए पर जाने को वैध बनाना गांधी के भारत को गोडसे के भारत में बदलने की दिशा में एक और कदम है।'

अंतरिक्ष में प्रक्षेपण के लिए अगस्त 2022 में भारतीय चंद्रयान-3 भरेगा उड़ान

नई दिल्ली (ईएमएस)। भारत समद्र से लेकर आकाश तक सामरिक और तकनीक के स्तर लगातार मजबूत हो रहा है। अंतरिक्ष विभाग ने इस साल 19 मिशनों की योजना बनाई है। चंद्रमा पर भारत के मिशन का अगला चरण चंद्रयान-3 अगस्त 2022 के लिए निर्धारित है। केंद्र सरकार ने गुरुवार को लोकसभा में यह जानकारी दी। अंतरिक्ष विभाग ने लिखित जवाब में कहा कि चंद्रयान-2 मिशन से मिली सीख और विशेषज्ञों के सुझावों के आधार पर चंद्रयान-3 पर काम चल रहा है।

केंद्रीय अंतरिक्ष मंत्री डॉ. जितेंद्र सिंह ने एक लिखित प्रश्न के उत्तर में कहा, चंद्रयान-2 से मिली सीख और राष्ट्रीय स्तर के विशेषज्ञों द्वारा दिए गए सुझावों के आधार पर, चंद्रयान-3 पर काम प्रगति पर है। कई संबंधित हार्डवेयर और उनके विशेष परीक्षण सफलतापूर्वक पूरे हो गए हैं और लॉन्च अगस्त 2022 के लिए निर्धारित है। सिंह ने कहा कि जनवरी से दिसंबर 2022 के दौरान कुल 19 मिशनों की योजना बनाई गई है, जिनमें आठ लॉन्च व्हीकल मिशन, सात अंतरिक्ष यान मिशन और चार प्रौद्योगिकी प्रदर्शक मिशन शामिल हैं।

कोविड-19 महामारी के कारण चल रहे कई मिशन प्रभावित हुए हैं। इसके अलावा, अंतरिक्ष क्षेत्र के सुधारों और नए पेश किए गए मांग संचालित मॉडल की पृष्ठभूमि में परियोजनाओं का पुनर्मूल्यांकन हुआ है। केंद्रीय मंत्री ने कहा, अंतरिक्ष क्षेत्र के सुधारों और नए पेश किए गए मांग-संचालित मॉडल की पृष्ठभूमि में परियोजनाओं की प्राथमिकता तय की गई है। चंद्रयान-3 मिशन को 2021 में लॉन्च किया जाना था, लेकिन महामारी की वजह से इसमें देरी हुई है।

पिछले तीन वर्षों में लॉन्च के लिए निर्धारित उपग्रहों की सूची में शामिल ईओएस-03 भी है, जिसकी लॉन्चिंग तारीख 12 अगस्त, 2021 को थी। इसके अलावा अमजोनिया-1 28 फरवरी, 2021 को सतीश धवन सैट (एसडीसैट) से लॉन्च के लिए निर्धारित किया गया था। इस सूची में 28 फरवरी, 2021 को यूनिटीसैट का नाम भी शामिल है। मंत्रालय की एक विज्ञप्ति में गुरुवार को कहा गया कि वर्ष 2020 और 2019 में, सीएमएस-01 को 17 दिसंबर, 2020 को लॉन्च किया गया था।

भारतीय प्रेस परिषद ने लगाई चुनावी अनुमानों, रुझानों और 'पेड न्यूज' पर रोक

नई दिल्ली (ईएमएस)। पांच राज्यों में विधानसभा चुनावों से पहले, भारतीय प्रेस परिषद (पीसीआई) ने प्रिंट मीडिया से उसके द्वारा निर्धारित पत्रकारिता आचरण के मानदंडों का पालन करने और 'पेड न्यूज' प्रकाशित करने से बचने को कहा है।

परिषद ने प्रिंट मीडिया से ऐसी कोई भी खबर या अन्य सामग्री नहीं छापने को कहा जो जन प्रतिनिधि अधिनियम 1951 का उल्लंघन करती हो।

पीसीआई ने एक बयान में कहा, ''भारत में चुनाव हमारे लोकतंत्र की रीढ़ हैं और मीडिया पर सभी संबंधित जानकारी को जनता तक पहुंचाने की भारी जिम्मेदारी है।'' भारतीय प्रेस परिषद चुनाव की कवरेज के संबंध में प्रिंट मीडिया को नौ बिंदुओं वाले परामर्श में कहा है, ''भारतीय प्रेस परिषद मीडियो को सलाह देती है कि पेड न्यूज पर जनप्रतिनिधि अधिनियम 1951 की धारा 126 और पत्रकारिता आचरण के मानदंड -2020 का उल्लंघन न करें।''

पीसीआई ने अपने परामर्श में प्रिंट मीडिया से निर्वाचन आयोग, मुख्य निर्वाचन अधिकारी के सभी आदेशों और निर्देशों का पालन करने को कहा है जो समय-समय पर जारी किए जाते हैं।

परिषद ने प्रिंट मीडिया से कहा कि वह मतदान के अंतिम 48 घंटे के दौरान चुनाव से संबंधित किसी तरह की सामग्री का अखबारों में प्रकाशन नहीं करें और इस प्रावधान का उल्लंघन करने पर जनप्रतिनिधि कानून की धारा 126 के तहत दो साल तक की सज़ा या जुर्माना या दोनों हो सकते हैं।

पीसीआई ने कहा कि कोई भी समाचार पत्र मतदान की अंतिम तारीख तक 'एक्जिट-पोल' सर्वेक्षण प्रकाशित नहीं करेगा, चाहे वे कितने भी वास्तविक क्यों न हों। भारतीय प्रेस परिषद कहा कि सांप्रदायिक या जाति के आधार पर चुनाव प्रचार नियमों के तहत प्रतिबंधित है और परिषद ने प्रिंट मीडिया को उन खबरों से बचने की सलाह दी जो धर्म, जाति, नस्ल, समुदाय या भाषा के आधार पर लोगों के बीच दुश्मनी या नफरत की भावनाओं को बढ़ावा देती हों। भारतीय प्रेस परिषद कहा कि मीडिया किसी भी उम्मीदवार या पार्टी के खिलाफ अपुष्ट आरोपों का प्रकाशन नहीं करे।

उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड, पंजाब, गोवा और मणिपुर में 10 फरवरी से सात मार्च के बीच विधानसभा चुनाव होने हैं और मतों की गिनती 10 मार्च को होगी।

कार्टून कोना

विंटर ओलंपिक का बायकॉट करेगा भारत गलवान को लेकर चीन के रुख पर लगाई लताड़

नई दिल्ली (ईएमएस)। भारत के साथ गलवान घाटी में हुई सैन्य झड़प में जख्मी जवान को चीन की ओर से विंटर ओलंपिक मशाल थमाए जाने पर भारत सरकार ने अपनी बात रखी है। भारतीय विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता अरिंदम बागची ने इसे अफसोसजनक बताया है। उन्होंने कहा है कि चीन ने गलवान मुठभेड़ में शामिल एक चीनी कमांडर को मशालची बनाकर चीन ने विंटर ओलंपिक्स का राजनीतिकरण किया है। उन्होंने बीजिंग विंटर ओलंपिक्स में भारत के शामिल होने के सवाल पर कहा है कि बीजिंग स्थित भारतीय दूतावास में भारत के प्रभारी राजदूत ओलंपिक के उद्घाटन और समापन समारोह में नहीं शामिल होंगे। एक ओर चीन ने लगातार कहा है कि बीजिंग विंटर ओलंपिक्स को लेकर राजनीति नहीं की जानी चाहिए। अमेरिका सहित कई युरोपिटी देशों द्वारा ओलंपिक्स को लेकर सवाल उठाए जा रहे हैं, जिसका चीन विरोध कर रहा है। वहीं दूसरी ओर चीन ने खुद विंटर ओलंपिक्स को राजनीति का मैदान बनाया हुआ है और इसके जरिए अपना प्रोपगेंडा फैला रहा है। भारत के साथ गलवान घाटी में हुई सैन्य झड़प में जख्मी जवान को चीन की ओर से विंटर ओलंपिक मशाल थमाए जाने की अमेरिका ने निंदा की है। चीन के इस कदम को शर्मनाक करार देते हुए अमेरिका ने कहा कि यह खेलों के राजनीतिकरण करने का प्रयास है। भारत और चीन के बीच लद्दाख सहित कई इलाकों में बॉर्डर विवाद को लेकर तनाव जारी है। दोनों पक्षों के बीच अब तक 14 दौर की वार्ता हो चुकी है लेकिन अब तक किसी नतीजे पर नहीं पहुंचा जा सका है। हालांकि दोनों देशों ने आपस में मसला सुलझाने की बात कही है और किसी भी तीसरे पक्ष के हस्तक्षेप का विरोध किया है।

पाकिस्तान को बड़ा झटका, धरातल पर नहीं उतरा सऊदी अरब के साथ हुआ 20 अरब डालर का करार

इस्लामाबाद । पाकिस्तान की खस्ताहाल अर्थव्यवस्था को सुधारने के लिए प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआइ) को बढ़ाने के प्रयासों में विफल रहे प्रधानमंत्री इमरान खान को सऊदी अरब से भी फिलहाल मायूसी ही हाथ लगी है। सऊदी अरब के साथ हुआ 20 अरब डालर का करार अभी धरातल पर नहीं उतरा है, जिससे पाकिस्तान को काफी उम्मीदें थीं। यह समझौता तब हुआ था, जब गत वर्ष सऊदी अरब के क्राउन प्रिंस मोहम्मद बिन सलमान ने इस्लामाबाद का दौरा किया था।

इस्लाम खबार के अनुसार, दीर्घकालिक निवेश के तहत 10 अरब डालर की लागत से बनने वाली सऊदी अरामको आयल रिफायनरी का काम भी अभी शुरू नहीं हुआ है, जो पाकिस्तान के लिए बहुप्रतीक्षित घोषणा थी। एफडीआइ में कमी से चिंतित इमरान खान ने अक्टूबर 2021 में सऊदी-पाकिस्तान इन्वेस्टमेंट फोरम में सऊदी कंपनियों और संस्थानों से ऊर्जा, निर्माण, लाजिस्टिक व परिवहन आदि क्षेत्रों में निवेश का आग्रह किया था। हालांकि, वे अपर्याप्त बुनियादी ढांचे (पानी, गैस, बिजली व यातायात), समुचित संस्थागत व्यवस्था न होने और भ्रष्टाचार के कारण पाकिस्तान में निवेश करने से विचलित हो गए। उन्हें विभाग से अनुमति मिलने और बैंकिंग सुविधा की उपलब्धता से जुड़ी चिंताएं भी थीं।

पाकिस्तानी अखबार ने अपनी रिपोर्ट में बताया है कि सऊदी कंपनियां पाकिस्तान की विदेश नीति में स्थिरता व पारदर्शिता की कमी से भी चिंतित थीं। राजनीतिक दखल और इमरान सरकार के खिलाफ लगातार होते प्रदर्शनों ने भी सऊदी कंपनियों को निवेश के मुद्दे पर सोचने के लिए मजबूर कर दिया। कुशल श्रम शक्ति की कमी भी पाकिस्तान के सामने निवेश की बड़ी बाधा है। उत्पादों की मार्केटिंग को लेकर देश की कंपनियां रूढिवादी व पारंपरिक तरीकों का इस्तेमाल कर रही हैं और नए दौर की मार्केटिंग तकनीक को अपनाने में अनिच्छुक दिखाई देती हैं।

रोड रेज मामले में सुप्रीम कोर्ट से सिद्धू को राहत, सुनवाई 25 फरवरी तक टली

चंडीगढ़ (ईएमएस)। पंजाब में कांग्रेस इकाई प्रमुख नवजोत सिंह सिद्धू को रोड रेज मामले में सुप्रीम कोर्ट से बड़ी राहत मिली है। जानकारी के अनुसार इस मामले की सुनवाई फिलहाल टल गई है। सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार सुप्रीम कोर्ट ने मामले की सुनवाई को 25 फरवरी तक मुल्तवी कर दिया है। नवजोत सिंह सिद्धू की रोड रेज मामले में आज रिव्यू पटीशन पर सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई होनी थी। अब बड़ी खबर सामने आ रही है कि रिव्यू पटीशन पर होने वाली अगली सुनवाई 25 फरवरी को होगी। चुनावों के बाद ही सुप्रीम कोर्ट इस मामले में अगली सुनवाई करेगा।

सपा प्रमुख धारा 370 हटाने का विरोध कर वोट बैंक की राजनीति कर रहे थे - अमित शाह

नई दिल्ली (ईएमएस)। केंद्रीय गृह मंत्री और वरिष्ठ बीजेपी नेता अमित शाह ने अखिलेश यादव पर आरोप लगाते हुए कहा कि सपा प्रमुख धारा 370 हटाने का विरोध कर वोट बैंक की राजनीति कर रहे थे। अमित शाह ने दिल्ली से सटे उत्तर प्रदेश के लोनी विधानसभा क्षेत्र में चुनावी सभा को संबोधित करते हुए कहा, ठचाहे तैमूर लंग से लड़ना हो या अंग्रेजों से.... लोनी की इस भूमि ने कभी पीठ नहीं दिखाई....धारा 370 हटाने का अखिलेश यादव क्यों विरोध कर रहे थे? क्या वोट बैंक के लिए आप विरोध कर रहे थे?

अमित शाह ने कहा, ठआजम खान कहां है.... जेल में है। अतीक अहमद कहां है...जेल में है...मुख्तार अंसारी कहां है...जेल में है...2022 का चुनाव उत्तर प्रदेश के माफियाओं को चुन चुन कर खत्म करने का चुनाव है....2022 का चुनाव उत्तर प्रदेश को सबसे विकसित राज्य बनाने का चुनाव है।

असदुद्दीन ओवैसी की कार पर मेरठ में फायरिंग, बाल-बाल बचे

मेरठ (ईएमएस)। ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन (एआईएमआईएम) प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी की कार पर मेरठ में 4 राउंड फायरिंग की गयी। ओवैसी के अनुसार, उत्तर प्रदेश में चुनाव प्रचार करके जब वे दिल्ली वापस लौट रहे थे, इस दौरान उनकी कार पर फायरिंग की गई है। आईजी मेरठ के मुताबिक, पिलखुवा टोल प्लाजा पर गोली चलने की बात कही जा रही है। हम सीसीटीवी देख रहे हैं। हालांकि टोल कर्मियों ने कहा कि कोई गोली नहीं चली है। फिलहाल इतनी जानकारी मिली है कि ओवैसी का काफिला जा रहा था, इस दौरान कुछ लोगों में आपसी बहस हुई थी। कोई भी व्यक्ति घायल नहीं है। सीसीटीवी जांच के बाद ही किसी भी तरह की पुष्टि की जाएगी।

ओवैसी ने कहा है कि आज जब वे कितापुर, मेरठ से प्रचार करके दिल्ली लौट रहे थे, उसी दौरान छजारसी टोल प्लाजा के नजदीक उनके वाहन पर फायरिंग की गई।ओवैसी का दावा है कि 3-4 लोगों ने उनकी गाड़ी पर फायरिंग की और वे लोग हथियार छोड़कर भाग गए।एआईएमआईएम प्रमुख ने ट्वीट में लिखा, 'कुछ देर पहले छिजारसी टोल गेट पर मेरी गाड़ी पर गोलियां चलाई गईं। चार राउंड फ़ायर हुए। 3-4 लोग थे, सब के सब भाग गए और हथियार वहीं छोड़ गए। मेरी गाड़ी पंक्चर हो गई लेकिन मैं दूसरी गाड़ी में बैठ कर वहां से निकल गया। हम सब महफ़ूज़ हैं।' ओवैसी की ओर से ट्वीट किए गए विजुअल्स में उनकी सफेद रंग की एसयूवी पर गोली की दो छेद नजर आ रहे हैं। कथित तौर पर तीसरी गोली वाहन के टायर पर लगी। सांसद ओवैसी एक अन्य कार से निकल गए। ओवैसी ने मेरठ में एक सभा को संबोधित किया।यूपी में विधानसभा चुनाव के पहले चरण के तहत 10 फरवरी को वोट डाले जाने हैं।

प्रियंका गांधी वाड्रा ने उत्तराखंड में चुनावी घोषणापत्र जारी कर चला महिला कार्ड

देहरादून (ईएमएस)। कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा ने उत्तराखंड के लिए कांग्रेस का घोषणापत्र जारी किया,इसमें पुलिस विभाग में महिलाओं के लिए 40 प्रतिशत नौकरियां आरक्षित करने, चार लाख लोगों को नौकरी देने और 'पर्यटन पुलिस' बल के गठन का वादा किया है। घोषणापत्र को 'उत्तराखंड स्वाभिमान प्रतिज्ञा पत्र' नाम दिया गया है। घोषणापत्र में 40 प्रतिशत सरकारी नौकरियों में महिलाओं को प्राथमिकता देने और रसोई गैस की कीमत 500 रुपये तक सीमित करने का वादा किया है। प्रियंका ने उत्तराखंड में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की सरकार पर पिछले पांच वर्ष में कोई काम नहीं करने का आरोप लगाते हुए उन्होंने लोगों से अपने वोट को गंभीरता से लेने को कहा। उन्होंने वोट को परिवर्तन लाने के लिए मतदाताओं का ''सबसे शक्तिशाली हथियार'' बताया। प्रियंका ने कहा,पांच साल में मौजूदा सरकार ने कुछ नहीं किया।

कनाडा भागने की फिराक में महाराष्ट्र पीएमसी बैंक स्कैम का मुख्य आरोपी रक्सौल बॉर्डर से गिरफ्तार

मुंबई, (ईएमएस)। पंजाब एंड महाराष्ट्र को-ऑपरेटिव बैंक (पीएमसी) के मुख्य आरोपी को देश छोड़कर भागने को कोशिश के दौरान बिहार के रक्सौल बॉर्डर पर गिरफ्तार करने की खबर है. ज्ञात हो कि 2019 में पीएमसी बैंक में 4 हजार 355 सौ करोड़ का बैंक घोटाला हुआ था. इस घोटाले में बतौर मुख्य आरोपी बैंक के डायरेक्टर दलजीत सिंह बल का नाम था. इस बैंक स्कैम की जांच महाराष्ट्र इकनॉमिक ऑफेंस विंग कर रही थी और इस मामले में दलजीत सिंह बल की तलाश कर रही थी. लेकिन दलजीत सिंह बल लगातार जांच एजेंसी को चकमा देकर फरार हो रहा था. नीरव मोदी और विजय माल्या की तरह दलजीत सिंह बल भी देश छोड़कर नेपाल के रास्ते कनाडा भगाने की फिराक में था. दलजीत महाराष्ट्र से रक्सौल बॉर्डर तक तो बड़ी आसानी से पहुंच गया लेकिन नेपाल प्रवेश करने से 200 मीटर पहले ही इमीग्रेशन विभाग नेउन्हें गिरफ्तार कर लिया. इमिग्रेशन विभाग ने मुंबई इकनॉमिक ऑफेंस विंग को सूचना दी जिसके बाद एक टीम उसे मुंबई लाने के लिए रवाना हो गई है. हालांकि अभी इस मामले में कोई भी अधिकारी कुछ भी बोलने से बच रहे है.

- महाराष्ट्र में कब हुआ था घोटाला?

महाराष्ट्र में 2019 में लोन की धोखाधड़ी और घोटाला सामने आने के बाद आरबीआई ने पीएसमसी बैंक के बोर्ड को भंग कर दिया था. इसके अलावा आरबीआई ने बैंक से पैसे निकालने पर रोक भी लगा दी थी. इस धोखाधड़ी और घोटाले में बैंक के कई वरिष्ठ अधिकारी शामिल पाए गए थे. बैंक ने रियल एस्टेट कंपनी एचडीआईएल को दिए गए लोन की आरबीआई को सही जानकारी नहीं दी थी.

आर्मी चीफ नरवणे ने उत्तरी व पूर्वी सैन्य कमान के नए कमांडर इन चीफ के साथ की बैठक

-चीन-पाकिस्तान को घेरने के लिए बनेगी रणनीति

नई दिल्ली (ईएमएस)। देश की सीमाओं को लेकर सतर्क भारतीय सेना के उत्तरी व पूर्वी सैन्य कमान को दो नए मुखिया मिल गए हैं। उत्तरी व पूर्वी कमान संभालते ही नये कमांडर इन चीफ ने सेना प्रमुख के साथ चीन और पाकिस्तान को घेरने के लिए रणनीति बनानी शुरु कर दी है। दरअसल, सेना प्रमुख जनरल मनोज मुकुंद नरवणे, उत्तरी व पूर्वी सैन्य कमान के नये कमांडर इन चीफ के साथ पाकिस्तान और चीन की सीमा की स्थिति को लेकर बैठक कर रहे हैं। इसके अलावा हाल ही में उप-सेना प्रमुख का पदभार संभालने वाले लेफ्टिनेंट जनरल मनोज पांडे ने वाइस चीफ ऑफ आर्मी स्टाफ के रूप में पहली बार इस बैठक में शिरकत की है। सेना के अधिकारियों ने न्यूज एजेंसी एएनआइ को बताया, यह समीक्षा बैठक भारत-चीन व भारत-पाकिस्तान सीमा पर हालिया बदलाव के मद्देनजर आयोजित की जा रही है। इस बैठक में उत्तरी कमान के कमांडर लेफ्टिनेंट जनरल उपेंद्र द्विवेदी और पूर्वी कमान के कमांडर लेफ्टिनेंट जनरल आरपी कलिता भी मौजूद हैं। दोनों ही नये कमांडर ने 1 फरवरी को कमांडर के रूप में पदभार ग्रहण किया था।

दरअसल, भारत और चीन के बीच लगभग दो वर्षों से सैन्य गतिरोध चल रहा है और इस मुद्दे को सौहार्द्रपूर्ण ढंग से हल करने के प्रयास किए जा रहे हैं। हालांकि, सेना किसी भी स्थिति के लिए तैयार है और हाल ही में सेना प्रमुख ने स्पष्ट रूप से कहा था कि युद्ध की स्थिति में भारत विजयी होगा। सेना के शीर्ष अधिकारी आज बैठक में सैन्य सचिव की शाखा से जुड़े मुद्दों पर भी विचार करेंगे।

बता दें कि, उपेंद्र द्विवेदी ने लेफ्टिनेंट जनरल वाइके जोशी की जगह ली है, जो सोमवार को सेवानिवृत्त हो गए। वहीं आरपी कलिता ने लेफ्टिनेंट जनरल मनोज पांडे की जगह पदभार संभाला है। पूर्वी सेना कमान के प्रमुख रहे लेफ्टिनेंट जनरल मनोज पांडे ने मंगलवार को लेफ्टिनेंट जनरल सीपी मोहंती के स्थान पर भारतीय सेना के नए उप प्रमुख के रूप में कार्यभार संभाला है। लेफ्टिनेंट जनरल पांडे नई भूमिका संभालने से पहले पूर्वी सेना कमांडर के रूप में कार्यरत थे।

पूर्वी कमान का मुख्यालय कोलकाता में ही है। उनकी जगह लेफ्टिनेंट जनरल आरपी कलिता को पूर्वी सेना कमान का नया प्रमुख नियुक्त किया गया है। यह कमान सिक्किम और अरुणाचल प्रदेश सेक्टरों में वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) की रखवाली करती है, इसका मुख्यालय कोलकाता में ही है। उन्होंने जम्मू-कश्मीर में आपरेशन पराक्रम के दौरान नियंत्रण रेखा (एलओसी) के साथ एक इंजीनियर रेजिमेंट की कमान को बखूबी संभाला था।

सांसद राहुल गांधी की उपस्थिति में भूमिहीन श्रमिकों ने गांधी 'सेवाग्राम' और छत्तीसगढ़ 'अमर जवान ज्योति' की रखी आधारशिला

-हिन्दुस्तान अलग-अलग विचारधाराओं का एक गुलदस्ता है: सांसद राहुल गांधी

रायपुर (ईएमएस)। लोकसभा सांसद राहुल गांधी ने आज राजधानी रायपुर के साईंस कॉलेज मैदान में छत्तीसगढ़ को कई ऐतिहासिक सौगातें दी। सांसद राहुल गांधी ने राज्य शासन की महत्वाकांक्षी 'राजीव गांधी ग्रामीण भूमिहीन कृषि मजदूर न्याय योजना' और 'राजीव युवा मितान क्लब योजना' का शुभारंभ किया। सांसद राहुल गांधी, मुख्यमंत्री भूपेश बघेल सहित अन्य गणमान्य अतिथियों और हजारों की संख्या में लोगों की मौजूदगी में भूमिहीन श्रमिक रामकुमार निषाद दुर्ग, श्रीमती खुजी मौर्य बस्तर, श्रीमती सोना नेताम बलौदाबाजार-भाटापारा, मसियस तिर्की बलरामपुर-रामानुजगंज ने महात्मा गांधी की स्मृतियों को संजोने के लिए नवा रायपुर में 'सेवाग्राम' और देश के लिए प्राण न्यौछावर करने वाले शहीदों की याद में 'छत्तीसगढ़ अमर जवान ज्योति' की आधारशिला रखी।

सांसद श्री राहुल गांधी ने इस अवसर पर वर्तमान समय में देश के समक्ष विद्यमान चुनौतियों का उल्लेख करते हुए कहा कि यह देश एक गुलदस्ता जैसा है। देश में अलग-अलग विचारधाराएं हैं। छत्तीसगढ़ की जो भाषा, संस्कृति और जीवनशैली है, वह दूसरे प्रदेशों की नहीं हो सकती है। छत्तीसगढ़ के लोगों को कैसे जीवन जीना चाहिए, आदिवासियों का जंगल और खेत से क्या रिश्ता होना चाहिए, यह अन्य क्षेत्रों के लोग नहीं बता सकते। इसी तरह अन्य राज्यों की भी संस्कृति, भाषा, इतिहास एवं जीवनशैली है। हिन्दुस्तान विभिन्न विचारधाराओं, संस्कृति, भाषा एवं जीवनशैली के लोगों का ऐसा गुलदस्ता है, जहां प्यार है, भाई-चारे की भावना है। यही हमारा देश है, इसी को हिन्दुस्तान कहते हैं। उन्होंने कहा कि देश भक्ति का मतलब देश को मजबूत करना और गरीबों की मदद करना है।

सांसद राहुल गांधी ने आगे कहा कि हमने छत्तीसगढ़ की जनता से जो वायदा किया था, वह पूरा करके दिखाया है। किसानों के साथ हमारे प्यारे मजदूर भाई भी काम करते हैं। हमने कहा था कि हमें छत्तीसगढ़ के गरीब मजदूर भाईयों की मदद करनी होगी। आज राजीव गांधी ग्रामीण भूमिहीन कृषि मजदूर न्याय योजना के माध्यम से यह काम भी हम पूरा करने जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि यह पहला कदम है, इस योजना के माध्यम से हम आपका पैसा आपको ही वापस दे रहे हैं। सांसद श्री राहुल गांधी ने कहा कि किसानों को राजीव गांधी किसान न्याय योजना के तहत जो इनपुट सब्सिडी की राशि छत्तीसगढ़ सरकार ने दी है। इससे हमारे किसान-भाईयों ने फसल उत्पादकता में बढ़ोत्तरी की है। छत्तीसगढ़ के हर किसान भाई को उसकी मेहनत का मान दिया है।

सांसद श्री राहुल गांधी ने कहा कि आज देश ने जो तरक्की की है। यह किसी दल यह पार्टी की देन नहीं है, बल्कि देश के किसानों, मजदूरों, कारीगरों, छोटे उद्यमियों और व्यवसायियों की मेहनत का परिणाम है। करोड़ों लोगों ने अपना खून-पसीना देकर देश को बनाया है। आज इन्हीं मेहनतकश लोगों को परे किया जा रहा है। लोग रोजी-रोजगार के लिए भटके, जीवन-यापन के लिए परेशान हो, हम ऐसा नहीं होने देंगे। उन्होंने छत्तीसगढ़ राज्य में किसानों और मेहनतकश लोगों के हित में संचालित योजनाओं की सराहना की और कहा कि राजीव गांधी ग्रामीण भूमिहीन कृषि मजदूर न्याय योजना से 3 लाख 55 हजार मजदूर भाई-बहनों को सीधा फायदा होगा। उन्हें राहत मिलेगी। उनके कंधों का बोझ हल्का होगा।

सांसद राहुल गांधी से मंच पर पहुंचते ही कार्यक्रम स्थल पर हजारों लोगों ने तालियों की गड़गड़ाहट के बीच उनका जोरदार स्वागत किया। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल एवं विधानसभा अध्यक्ष डॉ. चरण दास महंत ने राजकीय गमछा पहनाकर सांसद राहुल गांधी का स्वागत अभिनंदन किया। सांसद श्री राहुल गांधी ने इस अवसर पर छत्तीसगढ़ सरकार की तीन साल की उपलब्धियों पर प्रकाशित कॉफी-टेबल बुक ''जो कहा-सो किया'' का विमोचन भी किया। उन्होंने राजीव गांधी ग्रामीण भूमिहीन कृषि मजदूर न्याय योजना के हितग्राहियों एवं राजीव युवा मितान क्लब पदाधिकारियों को अनुदान राशि का चेक भेंट कर उन्हें बधाई और शुभकामनाएं दी। राहुल गांधी ने इस मौके पर उक्त दोनों योजनाओं की राशि हितग्राहियों के खाते में ऑनलाईन अंतरित की।

जिस दिन संविधान को बदलने की बात होगी, कांग्रेस इसका विरोध करेगी

नई दिल्ली (ईएमएस)। तेलंगाना राष्ट्र समिति (टीआरएस) के वरिष्ठ नेता के केशव राव ने तेलंगाना के मुख्यमंत्री के चंद्रशेखर राव का हवाला देकर राज्यसभा में कहा कि

जन हितैषी

बुंदेलखंड के सुधरेंगे दिन

आम बजट 2022-23 में मध्यप्रदेश को केन-बेतवा लिंक के लिए काफी कुछ मिला है। प्रोजेक्ट पर कुल 44 हजार करोड़ रुपए खर्च होंगे। 1400 करोड़ रुपए दे दिए गए। मध्यप्रदेश और उत्तरप्रदेश के 13 जिलों को इस प्रोजेक्ट से फायदा होगा। कटनी-पन्ना और छतरपुर जिलों में बहने वाली केन नदी 427 किलोमीटर का सफर तय कर उत्तर प्रदेश के बांदा जिले के पास यमुना नदी में गिरती है। रायसेन के पास से निकली बेतवा नदी 576 किलोमीटर का सफर तय करती हुई उत्तर प्रदेश के हमीरपुर के पास यमुना नदी में मिलती है। केन-बेतवा लिंक प्रोजेक्ट के तहत ढोढन (पन्ना) में डैम बनाकर केन के पानी को रोका जाएगा। यहां से 220.624 किमी की नहर बनाकर केन का पानी बरूआसागर (झांसी, यूपी) से निकली बेतवा नदी में छोड़ा जाएगा। इसमें 2 किमी लंबी सुरंग भी बनाई जाएगी। बजट पर देशवासियों से बात करते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी कहा कि आम बजट में केन बेतवा लिंक परियोजना में मिलने वाली राशि से मध्य प्रदेश के बुंदेलखंड के खेतों में हरियाली आएगी और पलायन रुकेगा। मोदी ने यह बात बजट को लेकर भाजपा कार्यकर्ताओं को वीडियो कांफ्रेंसिंग के जरिये अपने संबोधन में केन बेतवा लिंक परियोजना को बुंदेलखंड के लिए महत्वपूर्ण बताया। पीएम मोदी ने कहा कि केन बेतवा लिंक परियोजना मध्य प्रदेश और उत्तर प्रदेश के बुंदेलखंड क्षेत्र के लिए बेहद महत्वपूर्ण साबित होगी। उन्होंने कहा कि अभी एमपी-यूपी के लोग काम की तलाश में गुजरात, महाराष्ट्र, तमिलनाडु व केरल तक जाते हैं। मगर केन बेतवा लिंक परियोजना की वजह से अब इन लोगों को पलायन करने की जरूरत नहीं होगी। इस परियोजना से किसानों को भरपूर पानी मिलेगा। इससे किसानों को इधर-उधर भटकने की जरूरत नहीं होगी। उल्लेखनीय है कि आम बजट में केन बेतवा लिंक परियोजना के लिए मध्य प्रदेश को 900 करोड़ रुपए देने का प्रावधान किया गया है तो यूपी को 500 करोड़ मिलेंगे। करीब 42 साल पुरानी केन बेतवा लिंक परियोजना ने अब आकार लेना शुरू किया है। नदी जोड़ो अभियान में यह परियोजना बुंदेलखंड के सूखे की स्थिति को दूर करने में मील का पत्थर साबित हो सकती है। केंद्र सरकार ने नदियों को जोड़ने के लिए नेशनल पर्सपेक्टिव प्लान बनाया था। केन-बेतवा लिंक परियोजना प्लान का पहला प्रोजेक्ट है। केन नदी का पानी बेतवा नदी में ट्रांसफर किया जाएगा। दोनों नदियों को जोड़ने के लिए 220.624 किमी लंबी केन-बेतवा लिंक नहर बनाई जाएगी। मध्यप्रदेश के जिले पन्ना, टीकमगढ़, छतरपुर, सागर, दमोह, दतिया, विदिशा, शिवपुरी, रायसेन और उत्तर प्रदेश के जिले बांदा, महोबा, झांसी, ललितपुर को इससे फायदा होगा। जल शक्ति मंत्रालय के अनुसार, केन-बेतवा लिंक से सालाना 10.62 लाख हेक्टेयर जमीन की सिंचाई हो सकेगी। 62 लाख लोगों को पीने का पानी भी मिलेगा। 103 मेगावाट हाइड्रो पावर और 27 मेगावाट की क्षमता वाला सोलर प्लांट भी बनाया जाएगा। केन-बेतवा लिंक परियोजना में 2 बिजली प्रोजेक्ट भी प्रस्तावित हैं, जिनकी कुल स्थापित क्षमता 72 मेगावॉट है। प्रोजेक्ट के पहले चरण में केन नदी पर ढोडऩ गांव के पास बांध बनाकर पानी रोका जाएगा। यह पानी नहर के जरिए बेतवा नदी तक पहुंचाया जाएगा। दूसरे चरण में बेतवा नदी पर विदिशा जिले में 4 बांध बनाए जाएंगे। बेतवा की सहायक बीना नदी (सागर) और उर नदी (शिवपुरी) पर भी बांधों का निर्माण किया जाएगा। केन बेतवा लिंक परियोजना से सबसे ज्यादा फायदा बुंदेलखंड क्षेत्र को होगा। सरकार सूखाग्रस्त बुंदेलखंड क्षेत्र में पानी की समस्या दूर करने की योजना बना रही है। बुंदेलखंड क्षेत्र यूपी और मप्र में फैला हुआ है। केन बेतवा इंटरलिंक प्रोजेक्ट की मदद से बुंदेलखंड में सिंचाई, पीने के पानी की कमी दूर हो सकेगी।

चुनौती बनती जा रही बढ़ती आर्थिक असमानता

पिछले दिनों वीडियो कांफ्रेंस के जरिये आयोजित विश्व आर्थिक मंच के दावोस एजेंडा शिखर सम्मेलन के दौरान पेश गैर सरकारी संगठन 'ऑक्सफैम' की रिपोर्ट 'इनइक्वलिटी किल्स' के अनुसार कोरोना महामारी के दौर में अमीर जहां और अमीर होते जा रहे हैं, वहीं गरीब और गरीब हो रहे हैं। रिपोर्ट के अनुसार महामारी के दौरान भारत के अरबपतियों की कुल सम्पत्ति बढ़कर दोगुने से अधिक हो गई और इस दौरान भारत में अरबपतियों की संख्या भी 39 फीसदी बढ़कर 142 हो गई है। देश के दस सर्वाधिक अमीर लोगों के पास इतनी सम्पत्ति है, जिससे पूरे ढ़ाई दशकों तक देश के हर बच्चे को स्कूली शिक्षा और उच्च शिक्षा दी जा सकती है। आर्थिक असमानता पर आई इस रिपोर्ट के मुताबिक 142 भारतीय अरबपतियों के पास कुल 719 अरब अमेरिकी डॉलर यानी 53 लाख करोड़ रुपये से अधिक की सम्पत्ति है और देश के सबसे अमीर 98 लोगों की कुल सम्पत्ति भारत के 55.5 करोड़ सबसे गरीब लोगों की कुल सम्पत्ति के बराबर है। ऑक्सफैम की रिपोर्ट में यह भी बताया गया है कि महामारी के दौरान सबसे धनी 10 फीसदी लोगों ने राष्ट्रीय सम्पत्ति का 45 फीसदी हिस्सा हासिल किया जबकि निचले स्तर की 50 फीसदी आबादी के हिस्से मात्र छह फीसदी राशि ही आई। रिपोर्ट में सरकार से राजस्व सृजन के प्राथमिक स्त्रोतों पर पुनर्विचार करने तथा कर प्रणाली के अधिक प्रगतिशील तरीकों को अपनाने का आग्रह करते हुए सुझाव दिया गया है कि इन अरबपतियों पर वार्षिक सम्पत्ति कर लगाने से प्रतिवर्ष 78.3 अरब अमेरिकी डॉलर मिलेंगे, जिससे सरकारी स्वास्थ्य बजट में 271 फीसदी बढ़ोतरी हो सकती है।

कोरोना महामारी के इस दौर में एक ओर जहां करोड़ों लोगों के काम-धंधे चौपट हो गए, लाखों लोगों की नौकरियां छूट गई, अनेक लोगों के कारोबार घाटे में चले गए, वहीं कुछ ऐसे व्यवसायी हैं, जिन्हें इस महामारी ने पहले से कई गुना ज्यादा मालामाल कर दिया है। आंकड़े देखें तो भारत में मार्च 2020 से नवम्बर 2021 के बीच देश के 84 फीसदी परिवारों की कमाई में कमी आई और 4.6 करोड़ लोग तो अत्यंत गरीबी में चले गए। इस बीच जितने लोग पूरी दुनिया में गरीबी के दलदल में फंसे, भारत में यह संख्या उसकी आधी है। एक ओर जहां गरीबों की संख्या बड़ी तेजी से बढ़ी है, वहीं भारत में अब इतने अरबपति हो गए हैं, जितने फ्रांस, स्वीडन तथा स्विट्जरलैंड को मिलाकर भी नहीं हैं। अति धनाढ़्य वर्ग तथा अत्यंत गरीबी में फंसे लोगों के बीच की चौड़ी होती खाई अन्य कमजोर वर्गों को भी प्रभावित कर रही है। आर्थिक विषमता चिंताजनक स्थिति तक बढ़ गई है और विश्व बैंक पहले ही चेतावनी दे चुका है कि दस करोड़ से ज्यादा लोग चरम गरीबी में धकेले जा सकते हैं। ऑक्सफैम की रिपोर्ट में पिछले साल भी स्पष्ट शब्दों में कहा गया था कि यदि कोरोना के कुबेरों से वसूली होती तो भुखमरी नहीं फैलती।

विश्व के कई अन्य देशों के साथ भारत में भी बढ़ती आर्थिक असमानता काफी चिंताजनक है क्योंकि बढ़ती विषमता का दुष्प्रभाव देश के विकास और समाज पर दिखाई देता है और इससे कई तरह की सामाजिक और राजनीतिक विसंगतियां भी पैदा होती हैं। करीब दो साल पहले भी यह तथ्य सामने आया था कि भारत के केवल एक फीसदी सर्वाधिक अमीर लोगों के पास ही देश की कम आय वाली सत्तर फीसदी आबादी की तुलना में चार गुना से ज्यादा और देश के अरबपतियों के पास देश के कुल बजट से भी ज्यादा सम्पत्ति है। आज विश्व आर्थिक पत्रिका 'फोर्ब्स' की अरबपतियों की सूची में सौ से भी ज्यादा भारतीय हैं जबकि तीन दशक पहले तक इस सूची में एक भी भारतीय नाम नहीं होता था। हालांकि देश में अरबपतियों की संख्या बढ़ना प्रत्येक भारतीय के लिए गर्व की बात होनी चाहिए लेकिन गर्व भी तो तभी हो सकता है, जब इसी अनुपात में गरीबों की आर्थिक सेहत में भी सुधार हो।

बहरहाल, ऑक्सफैम की रिपोर्ट में मांग की गई है कि धनी लोगों पर उच्च सम्पत्ति कर लगाते हुए श्रमिकों के लिए मजबूत संरक्षण का प्रबंध किया जाए। दरअसल बड़े औद्योगिक घरानों पर टैक्स लगाकर सार्वजनिक सेवाओं के लिए आवश्यक संसाधन जुटाए जा सकते हैं। कुछ विशेषज्ञों का मत है कि देश के शीर्ष धनकुबेरों पर महज डेढ़ फीसदी सम्पत्ति कर लगाकर ही देश के कई करोड़ लोगों की गरीबी दूर की जा सकती है लेकिन किसी भी सरकार के लिए यह कार्य इतना सहज नहीं है। दरअसल यह जगजाहिर है कि बहुत से राजनीतिक फैसलों पर भी अब इन धन कुबेरों का ही नियंत्रण होता है। तत्कालीन अमेरिकी राष्ट्रपति बराक ओबामा ने अपने कार्यकाल के कारण वहां के समाज में बढ़ती आर्थिक असमानता पर गहरी चिंता व्यक्त की थी। इसके अलावा बौद्ध धर्मगुरू दलाईलामा तथा ईसाई धर्मगुरू पोप फ्रांसिस सहित कुछ अन्य प्रमुख हस्तियां भी बढ़ती आर्थिक असमानता पर निशाना साधते हुए कह चुकी हैं कि अत्यधिक धन पिपासा समाज में एक नई प्रकार की निरंकुशता को जन्म देती है। बहरहाल, संयुक्त राष्ट्र जैसी कुछ वैश्विक संस्थाओं के अलावा कुछ देशों की सरकारें हालांकि गरीबी उन्मूलन, बेरोजगारी और आर्थिक असमानता को दूर करने के लिए वर्षों से प्रयासरत हैं लेकिन बेहतर परिणाम सामने आते नहीं दिख रहे।

1980 के दशक की शुरूआत में एक फीसदी धनाढ़्यों का देश की कुल आय के छह फीसदी हिस्से पर कब्जा था लेकिन बीते वर्षों में यह लगातार बढ़ता गया है और तेजी से बढ़ी आर्थिक असमानता के कारण स्थिति बिगड़ती गई है। आर्थिक विषमता आर्थिक विकास दर की राह में बहुत बड़ी बाधा बनती है। दरअसल जब आम आदमी की जेब में पैसा होगा, उसकी क्रय शक्ति बढ़ेगी, देश की आर्थिक विकास दर भी तभी बढ़ेगी। अगर ग्रामीण आबादी के अलावा निम्न वर्ग की आय नहीं बढ़ती तो मांग में तो कमी आएगी ही और इससे विकास दर भी प्रभावित होगी। हालांकि बढ़ती आर्थिक असमानता को कम करना सरकार के लिए बहुत बड़ी आर्थिक-सामाजिक चुनौती है लेकिन अगर सरकारों में दृढ़ इच्छाशक्ति हो तो इस असमानता को कम किया जा सकता है। (लेखक- योगेश कुमार गोयल / ईएमएस)

खेल - समाचार

शीतकालीन ओलंपिक : अमेरिकी खिलाड़ी सुरक्षा कारणों से स्मार्टफोन के बिना ही चीन जाएंगे

बीजिंग (ईएमएस)। चीन की राजधानी बीजिंग में 4 फरवरी से शुरु हो रहे शीतकालीन ओलंपिक खेलों में शामिल होने जा रहे अमेरिकी खिलाड़ी स्मार्टफोन नहीं ले जा सकेंगे। इसकी जगह उन्हें कामचलाऊ बर्नर फोन दिये जाएंगे। सुरक्षा को देखते हुए अमेरिकी एजेंसी एफबीआई ने यह कदम उठाया है। एफबीआई ने अपने एक बयान में अमेरिकी खिलाड़ियों को सामान्य फोन ले जाने से मना कर दिया है और उसकी जगह पर प्रीपेड बर्नर फोन का उपयोग करने कहा है। बर्नर फोन वह फोन होते है जो सस्ते के साथ-साथ कामचलाऊ होते हैं इनसे केवल आप फोन कर सकते है। जब तक खिलाड़ी बीजिंग में रहेंगे तब तक वह बर्नर फोन का ही इस्तेमाल करेंगे। उसके बाद इसे तोड़ दिया जाएगा।

एफबीआई का मानना है कि चीन में उनके खिलाड़ियों के फोन के सुरक्षा फीचर्स को बग के जरिए निशाना बनाया जा सकता है। इसी से बचने के लिए एफबीआई ने अमेरिकी एथलीट्स को स्मार्टफोन नहीं ले जाने को कहा है। इस आदेश के मुताबिक, अमेरिकी एथलीट्स न तो अपना स्मार्टफोन ले जा पाएंगें और उन्हें अपना फोन घर पर ही छोड़कर जाना होगा। इस फोन की जगह सभी अमेरिकी एथलीटों को बर्नर फोन इस्तेमाल करने को कहा गया है। अमेरिका के अलावा अन्य कई पश्चिमी देशों ने भी अपने एथलीटों को स्मार्टफोन ले जाने से मना किया है। गौरतलब है कि चीन ने अपने देश में एडवांस्ड टेक्नो सर्विलांस इक्विपमेंट्स इंस्टॉल किए हैं। साथ ही फेशियल रिकग्निगेशन टेक्नोलॉजी भी इस्तेमाल की जा रहा है। यह साइबर सिक्योरिटी के लिहाज से खतरनाक चीजें हैं। इसी को देखते हुए एफबीआई को चीन पर संदेह है। अमेरिका सहि कई देशें ने वैसे भी इन खेलों का कूटनीतिक बहिष्कर किया हुआ है। ऐसे में केवल खिलाड़ी ही चीन जाएंगे अधिकारी नहीं।

1000वां एकदिवसीय खेलने वाली पहली टीम बनेगी टीम इंडिया

मुम्बई (ईएमएस)। रोहित शर्मा की कप्तानी में भारतीय टीम छह फरवरी को मेहमान टीम वेस्टइंडीज के खिलाफ पहले एकदिवसीय क्रिकेट मैच में उतरते ही एक अहम उपलब्धि अपने नाम करेगी। यह भारतीय टीम का 1000वां एकदिवसीय मैच होगा। भारतीय टीम इस आंकड़े तक पहुंचने वाली पहली टीम भी होगी। यह मुकाबला अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में खेला जाएगा। इस मैच में टॉस के साथ ही भारतीय टीम हजार एकदिवसीय मैचों के आंकड़े तक पहुंचने वाली पहली टीम बन जाएगी। भारत ने अब तक 999 मैच खेले हैं, जबकि 518 मुकाबलों में जीत दर्ज की है। इस दौरान उसे 431 मैचों में हार मिली और 9 मैच टाई रहे। वहीं 41 मैच बिना किसी परिणाम के समाप्त हुए।

इसमें भारत का जीत प्रतिशत 54.54 रहा है। सबसे अधिक मैच खेलने की इस सूची में भारत के बाद दूसरा नंबर ऑस्ट्रेलिया का है। उसने 958 मैच खेले हैं, जबकि पाकिस्तान ने 936, श्रीलंका ने 870 और वेस्टइंडीज ने 834 मैच खेले हैं। गुजरात क्रिकेट संघ (जीसीए) ने कहा है कि कोरोना महामारी के कारण तीनों एकदिवसीय मैच दर्शकों के बिना ही खाली स्टेडियम में खेले जायेंगे।

भारत दौरे के बाद संन्यास लेंगे लकमल

कोलंबो (ईएमएस)। श्रीलंकाई क्रिकेट टीम के अनुभवी तेज गेंदबाज सुरंगा लकमल इस माह 25 फरवरी से शुरु होने वाले भारत दौरे के बाद अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट को अलविदा कहेंगे। 34 साल के लकमल ने अब तक श्रीलंका की ओर से 68 टेस्ट, 86 एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय और 11 टी20 अंतरराष्ट्रीय मुकाबले खेले हैं। श्रीलंका क्रिकेट (एसएलसी) ने कहा, 'लकमल ने कहा है कि भारत दौरे के पूरा होने के बाद वह अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट नहीं खेलेंगे।' लकमल ने समर्थन के लिए बोर्ड को धन्यवाद भी दिया है। लकमल ने श्रीलंकाई बोर्ड को भेजे पत्र में कहा, 'यह शानदार अवसर देने के लिए मुझ पर भरोसा करने के लिए मैं एसएलसी का आभारी हूं। मेरे पेशेवर जीवन को यहां तक पहुंचाने वाले बोर्ड से जुड़े रहना एक सुखद अनुभूति है।' उन्होंने कहा, 'मैं अपने सभी साथी खिलाड़ियों, कोच, टीम मैनेजर, सहयोगी स्टाफ, प्रशासनिक स्टाफ और अन्य सभी सहयोगी स्टाफ का बेहद सम्मान करता हूं।' श्रीलंकाई टीम अपने भारत दौरे पर दो टेस्ट और तीन टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच खेलेगी।

चयन समिति की बैठक में गांगुली के रहने पर उठे सवाल

मुम्बई (ईएमएस)। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) प्रमुख सौरव गांगुली एक नये विवाद में फंस गये हैं। इसका कारण गांगुली का हाल ही में हुई चयन समिति की एक बैठक में भाग लेना रहा है जबकि नियमों के अनुसार बोर्ड अध्यक्ष बैठक में भाग नहीं ले सकते हैं। इस मामले को लेकर चयन समिति के एक सदस्य ने कहा है कि गांगुली किसी भी प्रकार से कोई दखल नहीं देते पर बोर्ड अध्यक्ष होने के कारण उनकी मौजूदगी ही डराने वाली रहती है। वहीं हाल में मीडिया रिपोर्ट में यह सामने आया था कि गांगुली बैठक में जबरदस्ती हिस्सा ले रहे हैं जबकि उनका इससे कोई लेना-देना नहीं है। वहीं सचिव जय शाह समिति के संयोजक होने के नाते बैठकों में भाग लेते हैं। ऐसे में चयन समिति की बैठक में गांगुली की उपस्थिति से चयनकर्ताओं पर दबाव पड़ा स्वाभाविक है। हाल में भारतीय टीम की टेस्ट कप्तानी से विराट कोहली के अचानक हटने पर भी गांगुली पर सवाल उठे थे। जिस प्रकार कहा जा रहा है कि गांगुली चयन बैठकों में शामिल होते थे। उससे यह भी कहा जा रहा है कि कोहली को हटाने में उनकी भूमिका होगी। यह भी कहा गया था कि गांगुली दक्षिण अफ्रीका दौरे से पहले कप्तानी को लेकर दिए गए विराट के बयान से नाराज थे और इसको लेकर विराट को कारण बताओं नोटिस भी जारी करने वाले थे हालांकि बाद में कुछ पदाधिकारियों की सलाह के बाद उन्होंने ऐसा नहीं किया था। वहीं इस मामले पर एक बोर्ड अधिकारी ने कहा है कि इस पूरे मामले पर अगर किसी को आपत्ति थी तो उसे इस मामले में बोर्ड सचिव से ही बात करनी चाहिये थी।

अंडर-19 क्रिकेट विश्व कप : ऑस्ट्रेलिया को हराकर फाइनल में पहुंची भारतीय टीम

शनिवार को इंग्लैंड से होगा खिताबी मुकाबला

एंटिगा (ईएमएस)। कप्तान यश धुल के शानदार शतक से भारतीय जूनियर टीम ने आईसीसी अंडर-19 विश्व कप क्रिकेट में ऑस्ट्रेलिया को 96 रनों से हराकर फाइनल में प्रवेश किया है। भारतीय टीम ने लगातार चौथी बार फाइनल में प्रवेश किया है। भारतीय टीम ने इस मैच में टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए यश के 110 रन और रशीद के अर्धशतक 94 रनों की सहायता से पांच विकेट पर 290 रन बनाए थे। इसके बाद लक्ष्य का पीछा करते हुए ऑस्ट्रेलियाई टीम 41.5 ओवरों में 194 रनों पर ही आउट हो गयी। ऑस्ट्रेलिया की ओर से सबसे ज्यादा 51 रन लाचलन शॉ ने बनाए जबकि कोरी मिलर ने 38 रनों का योगदान दिया। वहीं भारत की ओर से विकी ओस्तवॉल ने सबसे ज्यादा तीन विकेट लिए जबकि रवि कुमार और निशांत सिंधु ने दो-दो विकेट लिए। कप्तान यश को शानदार बल्लेबाजी के लिए प्लेयर ऑफ द सीरीज घोषित किया गया। अब भारतीय क्रिकेट टीम शनिवार को खिताबी मुकाबले में इंग्लैंड का सामना करेगी।

वहीं आस्ट्रेलिया की ओर से जैक निस्बेट और विलियम साल्जमैन ने दो-दो विकेट हासिल किये। यश ने कप्तानी पारी खेली और 110 गेंदों में 10 चौके और एक छक्का लगाते हुए 110 रन बनाये। वह अंडर-19 विश्व कप में शतक लगाने वाले तीसरे भारतीय कप्तान हैं। उनसे पहले विराट कोहली ने 2008 में वेस्टइंडीज के खिलाफ शतक लगाया था, जबकि उन्मुक्त चंद ने 2012 में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ नाबाद 111 रनों की पारी खेली थी।

यश और राशिद की साझेदारी के कारण ही भारतीय टीम इस मैच में शुरुआती झटकों से उबरकर बेहतर स्कोर बनाने में सफल रही। इन दोनों ने तीसरे विकेट के लिये 204 रन बनाये। इस मैच में सलामी बल्लेबाज अंगकृष रघुवंशी 06 रन बनाकर ही पेवेलियन लौट गये थे। वहीं उनके जोड़ीदार

हरनूर सिंह भी इसके बाद 16 रनों के निजी स्कोर पर पेवलियन लौट गये। इस प्रकार 37 रनों तक आते-आते टीम ने दो विकेट गंवा दिये थे। इन कठिन हालातों में यश और राशिद ने टीम की कमान संभाली और उसे बेहतर स्कोर तक पहुंचाया। युश ने जहां शतक लगाया वहीं राशिद छह रन से अपना शतक नहीं लगा पाये। वहीं दूसरी ओर ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाज भारतीय गेंदबाजों के सामने टिक नहीं पाये।

डेनमार्क के खिलाफ डेविस कप टेनिस के लिए भारतीय टीम घोषित

नई दिल्ली (ईएमएस))। अगले माह चार और पांच मार्च को डेनमार्क के खिलाफ होने वाले डेविस कप टेनिस प्रतियोगिता के विश्व ग्रुप एक मुकाबले के लिए भारतीय टीम घोषित कर दी गयी है। भारतीय टीम इस मुकाबले में उतरने के साथ ही फरवरी 2019 के बाद पहली बार घरेलू धरती पर कोई डेविस कप मुकाबला खेलेगी। भारतीय टीम का चयन अखिल भारतीय टेनिस संघ की पेशेवर चयन समिति की बैठक में किया गया। बैठक की अध्यक्षता नंदन बल ने की। रोहित राजपाल को टीम का कप्तान और जीशान अली को टीम का कोच बनाया गया है। टीम 23 फरवरी को अभ्यास के लिए दिल्ली में एकत्र होगी। खिलाड़ियों की उपलब्धता और प्रदर्शन के आधार पर टीम का चयन किया गया है। भारत और डेनमार्क की टीमों के बीचडेविस कप में केवल दो बार मुकाबला हुआ है। साल 1927 में कोपनहेगन में डेनमार्क ने भारत को 5-0 से हराया जबकि सितंबर 1984 में भारत ने उसे पराजित किया था।

क्या हो चुकी है 'खदेड़ा होबे ' की शुरुआत ?

समाजवादी पार्टी नेता व उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने उत्तर प्रदेश के हरदोई ज़िले के समीप संडीला क़स्बे के सागरगढ़ी झावर में गत 28 नवम्बर को एक विशाल जनसभा को संबोधित करते हुये कहा था कि जिस तरह पश्चिम बंगाल में तृणमूल कांग्रेस ने 'खेला होबे' का नारा दिया था उसी तर्ज़ पर उत्तर प्रदेश में सन् 2022 के चुनावों में भाजपा के लिए 'खदेड़ा होबे' का नारा दिया गया है। उधर उत्तर प्रदेश सहित विभिन्न राज्यों से अनेक बड़े नेताओं का भाजपा से मोह भंग होना,मंत्री पद त्यागना और इनमें से अनेक नेताओं का समाजवादी पार्टी की शरण में जाना और इन सबसे भी महत्वपूर्ण विभिन्न क्षेत्रों में भाजपा नेताओं के विरुद्ध उमड़ता जनाक्रोश व इनका निरंतर होने वाला विरोध आख़िर किस ओर इशारा कर रहा है ?

वैसे तो भाजपा नेताओं के विभिन्न क्षेत्रों से 'खदेड़े' जाने की शुरुआत किसान आंदोलन के दौरान उसी समय हो चुकी थी जब भारतीय जनता पार्टी आला कमान की ओर से अपने मुख्यमंत्रियों,मंत्रियों,सांसदों व विधायकों को यह निर्देश दिये गये थे कि वे किसान आंदोलन से प्रभावित राज्यों व क्षेत्रों में जनता के बीच जाकर तीनों कृषि क़ानूनों के सकारात्मक पहलुओं को समझायें। इसके बाद पंजाब,हरियाणा,राजस्थान व पश्चिमी उत्तर प्रदेश में अनेक भाजपा नेताओं ने यहां तक कि मुख्यमंत्री,उप मुख्य मंत्री,केंद्रीय मंत्री, सांसदों व विधायकों ने जैसे ही पार्टी आलाकमान के इस निर्देश पर अमल करना शुरू किया उसी समय अधिकांश क्षेत्रों से इन नेताओं के खदेड़े जाने की ख़बरें आनी शुरू हो चुकी थीं। कई जगह तो कई 'हाई प्रोफ़ाइल' नेताओं को किसानों के ग़ुस्से का ऐसा सामना करना पड़ा कि किसी को लुक छुप कर भागना पड़ा,किसी को दीवार कूद कर भागना पड़ा तो किसी को उनके अंगरक्षकों ने अपनी जान पर खेल कर बचाया।

इसी सिलसिले के अंतर्गत केंद्रीय मंत्री संजीव बालियान, राज्य मंत्री भूपेंद्र सिंह तथा बुढाना के विधायक उमेश मलिक सहित भाजपा के अनेक नेता खाप चौधरियों से मिलने शामली इलाक़े में पहुंचे थे। शामली के भैंसवाल गांव में स्थानीय लोगों द्वारा इन नेताओं व भाजपा के विरुद्ध नारेबाज़ी करते हुये इन्हें गांव में घुसने से रोका गया था। ग्रामीणों ने रास्तों में ट्रैक्टर अड़ाकर कई जगह इन नेताओं का काफ़िला रोक दिया और भाजपा व इनके मंत्रियों के विरुद्ध मुर्दाबाद के नारे लगाए थे। भैंसवाल गांव में खाप चौधरियों ने तो भाजपा प्रतिनिधिमंडल में शामिल नेताओं से मिलने तक से मना कर दिया था। इस तरह का चौतरफ़ा विरोध और 'खदेड़ा होबे ' की वीडीओ वायरल होते देख भाजपा ने पूरी समझदारी का परिचय देते हुए अपना ' किसान समझाओ अभियान ' उसी समय तत्काल रूप से बंद कर दिया था बल्कि बाद में सरकार ने किसानों को समझाने के बजाये स्वयं में ही 'समझ पैदा 'कर इन विवादित क़ानूनों को ही वापस ले लिया था।

अब कृषि क़ानून तो सरकार ने ज़रूर वापस ले लिये परन्तु सरकार व भाजपा किसानों का विश्वास जीत पाने असफल रही है। किसान समझ रहे हैं कि उत्तर प्रदेश सहित पांच राज्यों में होने वाले चुनावों के मद्देनज़र ही सरकार ने यह क़ानून वापस लिये हैं। लिहाज़ा अभी भी किसान जगह जगह भाजपा नेताओं का 'खदेड़ा ' करने में लगे हैं। पश्चिमी उत्तर प्रदेश की 58 सीटों पर पहले चरण में 10 फ़रवरी को मतदान होना है। प्रत्येक पार्टी प्रत्याशी चुनाव प्रचार में जुट गये हैं। चुनाव आयोग ने चूँकि कोरोना महामारी के दृष्टगत बड़ी चुनावी रैलियों,सभाओं व रोड शो पर रोक लगा दी है इसलिये सभी प्रत्याशी मतदाताओं के द्वार द्वार जाकर अपने पक्ष में मतदान करने की अपील कर रहे हैं। मतदाताओं के दरवाज़ों पर जाकर वोट माँगना भी भाजपा प्रत्याशियों को भारी पड़ रहा है। पिछले दिनों खतौली के भाजपा विधायक विक्रम सैनी अपने चुनाव प्रचार हेतु जब मुनव्वरपुर गांव पहुंचे तो स्थानीय लोगों की भारी भीड़ ने उन्हें घेर लिया। उनके विरोध जमकर नारेबाज़ी की। विधायक व उनके सहयोगियों द्वारा आक्रोषित ग्रामीणों को समझाने की भी कोशिश की गयी परन्तु ग्रामीण लोग शांत नहीं हुये। कुछ ग़ुस्साये लोगों ने तो गाली गलौच तक की। सुरक्षाकर्मियों ने बमुश्किल उन्हें ग्रामीणों के क्रोध से बचाते हुये गाड़ी में बिठाया। आख़िरकार सैनी को अपना प्रचार बीच में ही छोड़कर वापस जाना पड़ा।

इसी प्रकार पिछले दिनों उत्तर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य जब प्रत्याशी घोषित होने के बाद शनिवार को पहली बार अपने चुनाव क्षेत्र सिराथू विधानसभा क्षेत्र के ग़ुलामीपुर गांव पहुंचे तो वहां उन्हें महिलाओं के भारी विरोध का सामना करना पड़ा। गांव की महिलाओं ने मौर्य को देखते ही अपने अपने घरों के दरवाज़े बंद कर लिए। आक्रोशित महिलाओं ने उनके विरुद्ध जमकर नारेबाज़ी की और उन्हें घर में प्रवेश तक नहीं करने दिया। इसी प्रकार के समाचार विभिन्न क्षेत्रों से प्राप्त हो रहे हैं। निश्चित रूप से जनता के इस तरह के 'खदेड़ा अभियान ' ने सत्तारूढ़ दल को बेचैन कर दिया है। जनाक्रोश का आलम तो यह है कि यदि इन 'माननीयों ' के साथ सुरक्षा कर्मी न हों और इनमें 'दुम दबाकर भागने ' जैसे 'गुण ' न हों तो किसी तरह की अनहोनी भी घट सकती है। क्या यह हालात इस बात की ओर इशारा नहीं करते कि 'खदेड़ा होबे ' की शुरुआत हो चुकी है ? (लेखिका- निर्मल रानी / ईएमएस)

विश्व कैंसर दिवस

आयुर्वेद में कैंसर को कर्कट रोग या अर्बुद कहते हैं .

गात्रप्रदेशे क्वचिदेव दोषाः सम्मूर्च्छिता मांस मम्रक प्रदूषय.

वृत्तम स्थिरं मंदरुजम महंतामनल्पमूलम चिर्वर्धयतापाकम .

कुर्वन्ति मांसोच्छयमत्यगाधं तद्बुरदं शास्त्रविदो वदन्ति .

वातेन पित्तेन कफेन चापि रक्तेन मांसेन च मेदसा वा .

तज्जायाते तस्य च लक्षाणि ग्रन्थैःसमानी सदा भवन्ति .(सुश्रुत निदान 11/18-19)

शरीर के किसी भाग में बढे हुए दोष मांस तथा रक्त को दूषित करके गोल ,निश्छल ,अल्प-पीड़ा वाले बड़े ,गहरे ,देर से बढ़ने और पकने वाले मांसपिंड के समान उन्नत सूजन को उतपन्न कर देते हैं विद्वान् उसे अर्बुद कहते हैं .यह अर्बुद वाटिक,पैत्तिक ,श्लेष्मिक ,रक्तज ,मांसज तथा मेदोज़ भेद से छह प्रकार का होता हैं ,उसके लक्षण ग्रंथि के समान होते हैं .

आज चाहे हम कितने भी आधुनिक हो गए हो या हम उन्नति के रथ पर सवार हो लेकिन सच तो यह है कि आज भी कई ऐसी चीजें हैं जिन पर हमारा कोई नियंत्रण नहीं और इन्हीं में से एक है कैंसर. आज कैंसर को लाइलाज कहना तो गलत है लेकिन कैंसर से होने वाला नुकसान कई बार आम आदमी की जिंदगी खत्म कर देता है. हर वर्ष 04 फरवरी को विश्व कैंसर दिवस मनाया जाता है.

एक अनुमान के मुताबिक 2005 में 7.6 लाख लोग कैंसर से मौत के आगोश में समा गए थे. इतनी बड़ी संख्या में लोगों के मरने से और विश्व स्तर पर इस बीमारी के फैलने से सब चिंतित हैं. इसी कारण विश्व स्वास्थ्य संगठन ने हर साल 4 फरवरी को विश्व कैंसर दिवस की तरह मनाने का निर्णय लिया ताकि इस भयानक बीमारी के प्रति लोगों में जागरुकता फैलाई जा सके.

विश्व कैंसर दिवस की शुरुआत विश्व में कैंसर के प्रति जागरुकता और इसके बचाव के तरीकों के बारें में अधिक से अधिक लोगों को परिचित कराने के लिए हुई थी. साल 2006 में पहली बार विश्व कैंसर दिवस मनाया गया था.इसी कारण विश्व स्वास्थ्य संगठन ने हर साल 4 फरवरी को विश्व कैंसर दिवस की तरह मनाने का निर्णय लिया ताकि इस भयानक बीमारी के प्रति लोगों में जागरुकता फैलाई जा सके. विश्व कैंसर दिवस की शुरुआत विश्व में कैंसर के प्रति जागरुकता और इसके बचाव के तरीकों के बारें में अधिक से अधिक लोगों को परिचित कराने के लिए हुई थी.

कैंसर आज दुनिया में एक ऐसी बीमारी बन चुकी है जिसका नाम सुनते ही कई लोगों के पैरों तले जमीन खिसक जाती है. जानकार मानते हैं कि कैंसर लाइलाज नहीं है बस जरूरत है इसका सही समय पर पता चलने की और सही इलाज की. एक आम आदमी के लिए यह जरूर एक लाइलाज बीमारी हो सकती है लेकिन इसका महंगा इलाज इसे अमीर लोगों के लिए साध्य बनाता है. यह समाज के लिए बहुत बुरा हैकि कैंसर जैसे रोग भी अमीर और गरीब के बीच अंतर देखते हैं.

कैंसर जैसी जानलेवा बीमारी पूरे विश्व में समस्या का विषय है और इस बीमारी का इलाज पता करने की जिम्मेदारी न केवल डॉक्टरों व वैज्ञानिकों की है बल्कि हममें से हर किसी की है.

कैंसर के लक्षण

आमतौर पर शरीर के किसी भी भाग पर ऊतकों में असामान्य रूप से गांठ बनना या उभार आना कैंसर हो सकता है.कोशिकाओं का असामान्य तौर पर वृद्धि करना और अनियंत्रित रूप से विभाजित होने से

सरकार को घेरने चले थे राहुल गांधी पूर्व विदेश मंत्री नटवर सिंह ने बता दिया गलत

नई दिल्ली (ईएमएस)। कांग्रेस नेता राहुल गांधी द्वारा लोकसभा में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार पर चीन और पाकिस्तान को करीब लाने का आरोप लगाने के एक दिन बाद पूर्व विदेश मंत्री के नटवर सिंह ने गुरुवार को कहा कि राहुल गांधी की टिप्पणी थी पूरी तरह सटीक नहीं है। नटवर सिंह ने कहा कि मुझे आश्चर्य है कि सरकार की ओर से कोई भी राहुल गांधी को यह याद दिलाने के लिए नहीं उठा कि उन्होंने जो कहा है वह पूरी तरह से सटीक नहीं है। 1960 के दशक से चीन और पाकिस्तान घनिष्ठ सहयोगी रहे हैं। इसकी शुरुआत उनके परनाना (पंडित जवाहर लाल नेहरू) के समय में हुई थी। कांग्रेस नेता राहुल गांधी लोकसभा में एक रोज पहले दिए भाषण पर घिरते नजर आ रहे हैं। सिर्फ भाजपा सांसद ही नहीं अब कांग्रेस राज में विदेश मंत्री रह चुके नटवर सिंह समेत कई दिग्गजों ने उनके बयान को आड़े हाथों लिया है। नटवर सिंह ने कहा कि चीन और पाकिस्तान की घनिष्टता की शुरुआत राहुल गांधी के परनाना (पंडित जवाहर लाल नेहरू) के वक्त शुरू हुई थी। वहीं, कांग्रेस नेता कपिल सिब्बल के बड़े भाई पूर्व राजनयिक कंवल सिब्बल ने भी कहा कि चीन-पाकिस्तान गठबंधन भारत में भाजपा के सत्ता में आने से 'बहुत पहले' शुरू हो गया था। कंवल ने टिप्पणी की की 1962 के संघर्ष के बाद चीन-पाकिस्तान ने अपने संबंधों को मजबूत करने का अवसर देखा। हर कोई जानता है कि दोनों ने परमाणु क्षेत्र में अवैध रूप से सहयोग किया है। राहुल गांधी ने ये टिप्पणी बुधवार को निचले सदन में बोलते हुए की, जब उन्होंने संसद में राष्ट्रपति राम नाथ कोविंद के 31 जनवरी के संबोधन पर बहस का जवाब दिया। उन्होंने कहा था, 'चीन के पास बहुत स्पष्ट दृष्टिकोण है कि वे क्या करना चाहते हैं। भारत की विदेश नीति का एकमात्र सबसे बड़ा रणनीतिक लक्ष्य पाकिस्तान और चीन को अलग रखना रहा है। आपने जो किया है, आप उन्हें एक साथ लाए हैं। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष ने सरकार को किसी भी तरह के भ्रम में न रहने की चेतावनी भी दी। उन्होंने कहा, जो ताकत आपके सामने खड़ी है, उसे कम मत समझिए। आप पाकिस्तान और चीन को साथ लाए हैं। यह एकमात्र सबसे बड़ा अपराध है जो आप भारत के लोगों के खिलाफ कर सकते हैं। गौरतलब है कि राहुल गांधी के इस बयान पर भाजपा नेताओं से उग्र प्रतिक्रिया मिली है, जबकि संयुक्त राज्य अमेरिका ने भी जवाब दिया कि वह इस तरह की टिप्पणियों का समर्थन नहीं करेगा।

पंचतत्व में विलीन हुए दिग्गज अभिनेता रमेश देव

मुंबई, (ईएमएस)। हिंदी व मराठी सिनेमा के जाने-माने अभिनेता रमेश देव को नम आखों से विदाई दी गई और वे पंचतत्व में विलीन हो गए. बुधवार को मुंबई के एक अस्पताल में उन्होंने आखिरी सांस ली थी. गुरुवार को मुंबई में उनके अंतिम संस्कार से पहले उन्हें अंतिम दर्शन के लिए मनसे प्रमुख राज ठाकरे, महेश मांजरेकर, आशुतोष गोवारिकर, रजा मुराद, सुरेश ओबेरॉय समेत कई अन्य सेलेब्स पहुंचे, जहां उन्होंने उनकी आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की. रमेश देव पिछले काफी समय से हृदय संबंधी परेशानियां से ग्रसित थे. उनकी बाईपास सर्जरी भी हुई थी. बुधवार को अस्पताल ले जाने के बाद उन्हें दिल का दौरा पड़ा और उनका निधन हो गया. कोरोना प्रोटोकॉल का ध्यान रखते हुए उनके अंतिम संस्कार में ज्यादा लोग शामिल नहीं हुए. उनके परिवार और कुछ रिश्तेदार ही अंतिम यात्रा में शामिल हुए. आपको बता दें कि रमेश देव ने अपने करियर में अमिताभ बच्चन, राजेश खन्ना, शत्रुघ्न सिन्हा जैसे अभिनेताओं के साथ काम किया था. तीन दिन पहले ही उन्होंने अपना 93वां जन्मदिन मनाया था.

अमित शाह ने फिर की जयंत चौधरी को लुभाने की कोशिश

नई दिल्ली (ईएमएस)। उत्तर प्रदेश विधासनभा चुनाव प्रचार के बीच केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह न एक बार फिर राष्ट्रीय लोक दल के नेता जयंत चौधरी को लुभाने की कोशिश की है। बुलंदशहर में चुनाव प्रचार कर रहे अमित शाह ने पार्टी के जाट मतदाता आधार को भी जोड़ा। जयंत चौधरी को लुभाने के लिए शाह चुटकी लेते हुए कहा कि अखिलेश यादव तो अपने पिता की भी नहीं सुनते हैं। यूपी चुनाव के लिए रालोद ने समाजवादी पार्टी के साथ गठबंधन किया है। उन्होंने कहा कि समाजवादी पार्टी प्रमुख अखिलेश यादव ने जयंत चौधरी को गठबंधन के लिए राजी किया है लेकिन, उनकी आवाज नहीं सुनी जाएगी। अमित शाह समाजवादी प्रमुख अखिलेश यादव और पार्टी के संस्थापक मुलायम सिंह यादव के बीच झगड़ का जिक्र करते हुए ने कहा 'जयंत बाबू को नहीं पता कि अगर सपा सरकार बनाएगी तो उनकी आवाज दब जाएगी। जिसने अपने पिता और परिवार की नहीं सुनी, वह आपकी नहीं सुनेगा। आजम खान जेल से बाहर निकलेंगे और वह (अखिलेश यादव के बगल में) बैठेंगे।' रालोद प्रमुख जयंत चौधरी को लुभाने का यह अमित शाह का दूसरा प्रयास था। गृह मंत्री ने 26 जनवरी को जाट नेताओं से संपर्क करते हुए कहा था कि जयंत चौधरी ने गलत घर चुना है और उन्होंने संकेत दिया था कि बीजेपी में उनके लिए दरवाजे खुले हैं। शाह के इस बयान के दो दिन बाद जयंत चौधरी ने यह कहते हुए निमंत्रण ठुकरा दिया था कि बीजेपी सांप्रदायिक तनाव पैदा करने की कोशिश कर रही है और वह कभी भगवा पार्टी में शामिल नहीं होंगे। चौधरी ने आरोप लगाया था कि अमित शाह उत्तर प्रदेश में जाटों को अलग-थलग करने की कोशिश कर रहे हैं। अमित शाह के खुले दरवाजे के निमंत्रण के तुरंत बाद चौधरी ने गृह मंत्री को जवाब देने के लिए ट्विटर का सहारा लिया और कहा कि उनका निमंत्रण उन 700 किसानों के परिवारों को जाना चाहिए जिनके घर तबाह हो गए थे। चौधरी ने बताया था, निमंत्रण का उद्देश मुझे विधानसभा चुनाव के बाद बीजेपी में शामिल होने की धारणा बनाकर मुस्लिम वोट हासिल करने से रोकना था।

शेयर बाजार गिरावट के साथ बंद

मुंबई (ईएमएस)। मुम्बई शेयर बाजार गुरुवार को गिरावट के साथ बंद हुआ। बाजार में यह गिरावट आईटी और वित्तीय शेयरों में हुई मुनाफावसूली के साथ ही बिकवाली का दबाव बढ़ने से भी आई है। इसके अलावा विदेशी संस्थागत निवेशकों की पूंजी निकासी जारी रहने से भी बाजार पर विपरीत प्रभाव पड़ा है। दिन भर के कारोबार के बाद तीस शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स 770.31 अंक करीब 1.29 फीसदी नीचे आकर 58,788.02 अंक पर बंद हुआ।

वहीं इसी प्रकार पचास शेयरों वाला नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का (निफ्टी) भी 219.80 अंक तकरीबन 1.24 फीसदी की गिरावट के साथ ही 17,560.20 अंक पर बंद हुआ। सेंसेक्स के शेयरों में सबसे ज्यादा तीन फीसदी से अधिक की गिरावट एचडीएफसी के शेयर में रही। इसके अलावा इन्फोसिस, एलएंडटी, कोटक बैंक, बजाज फिनसर्व और टेक महिंद्रा के शेयर भी गिरे हैं।

देश में सेवा क्षेत्र की गतिविधियां जनवरी के महीने में कमजोर पड़ी हैं। गुरुवार को जारी एक मासिक सर्वे के अनुसार कोरोना वायरस महामारी के बढ़ने के बीच इसकी रोकथाम के लिए लगाई गई पाबंदियों और मुद्रास्फीति के दबाव के साथ नए कारोबार में काफी धीमी गति से वृद्धि हुई।

इससे पहले आज सुबह बाजार की कमजोर शुरुआत हुई।

एचडीएफसी, इंफोसिस और विप्रो जैसी कंपनियों के शेयर में गिरावट से शुरुआत में ही बाजार नीचे आया है। कारोबारियों ने कहा कि विदेशी फंड के बहिर्वाह का घरेलू बाजार पर असर पड़ा है। सेंसेक्स में सबसे अधिक गिरावट एचडीएफसी बैंक में रही। टेक महिंद्रा, इंफोसिस, विप्रो, बजाज फाइनेंस, एचसीएल टेक और कोटक बैंक के शेयर भी घाटे में रहे। वही दूसरी तरफ टाइटन, एशियन पेंट्स, आईटीसी, मारुति, एसबीआई और एनटीपीसी के शेयरों में वृद्धि दर्ज की गईएशिया के अन्य बाजारों में जापान का निक्केई कारोबार के मध्य सौदों में घाटे में कारोबार कर रहा जबकि दक्षिण कोरिया का बाजार लाभ में था। चीन और हांगकांग समेत कई एशियाई बाजार अपने नववर्ष की छुट्टी के कारण बंद हैं।

ओएनजीस, आईओसी व अन्य सरकारी कंपनियां 1.11 लाख करोड़ खर्च करेंगी

नई दिल्ली (ईएमएस)। सार्वजानिक क्षेत्र की ऑयल एंड नैचुरल गैस कॉरपोरेशन (ओएनजीसी) और इंडियन ऑयल कॉरपोरेशन (आईओसी) सहित अन्य सरकारी कंपनियां वित्त वर्ष 2022-23 में 1.11 लाख करोड़ रुपए का निवेश करेंगी। ओएनजीसी, आईओसी, गेल (इंडिया) लिमिटेड, भारत पेट्रोलियम कॉरपोरेशन लिमिटेड (बीपीसीएल), हिंदुस्तान पेट्रोलियम कॉरपोरेशन लिमिटेड (एचपीसीएल) और ऑयल इंडिया लिमिटेड (ओआईएल) सामूहिक रूप से अगले वित्त वर्ष में 7.4 प्रतिशत अधिक पूंजीगत खर्च करेंगी। बजट दस्तावेजों के अनुसार, 2022-23 में 1.11 लाख करोड़ रुपए का पूंजीगत व्यय चालू वित्त वर्ष के लिए 1.04 लाख करोड़ रुपए के संशोधित अनुमान की तुलना के आधार पर है। ओएनजीसी ने वित्त वर्ष 2022-23 में 29,950 करोड़ रुपए के पूंजीगत व्यय की योजना बनाई है। यह चालू वित्त वर्ष में 30,500 करोड़ रुपए के संशोधित अनुमानित व्यय से थोड़ा कम है। देश की सबसे बड़ी तेल रिफाइनिंग और ईंधन विपणन कंपनी आईओसी अगले वर्ष में 28,549 करोड़ रुपए का खर्च करेगी। यह 31 मार्च को समाप्त होने वाले चालू वित्त वर्ष में खर्च के लगभग बराबर है। इसके अलावा गेल गैस उपयोगिता पाइपलाइन ग्रिड और पेट्रोरसायन संयंत्रों के विस्तार पर 7,500 करोड़ रुपए का निवेश करेगी, जो चालू वित्त वर्ष में 7,160 करोड़ रुपए के संशोधित व्यय से अधिक है।

सीबीआई ने हैदराबाद की कंपनी पर धोखाधड़ी का मामला दर्ज किया

नई दिल्ली (ईएमएस)। केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) ने हैदराबाद की कंपनी नंदिनी इंडस्ट्रीज इंडिया प्राइवेट लिमिटेड (एनआईआईपीएल) और उसके प्रबंध निदेशक हरिदास रमेश के खिलाफ भारतीय स्टेट बैंक के साथ 218.21 करोड़ रुपए की कथित धोखाधड़ी का मामला दर्ज किया है। सीबीआई के एक प्रवक्ता ने बताया कि आरोपी ने बैंक से लिए गए कर्ज की रकम को फर्जी बिलों के जरिये अनुषंगी कंपनियों को भेज दिया। उन्होंने कहा कि एजेंसी ने आरोपी के तीन परिसरों की तलाशी ली जिसमें अपराध का संकेत देने वाले कागजात बरामद किए गए हैं। आरोप है कि टीएसएस प्रोजेक्ट्स एंड इंडस्ट्रीज लिमिटेड के पुराने नाम वाली इस कंपनी ने 2007 से एसबीआई की सिकंदराबाद शाखा से ऋण लेना शुरू किया था। साल भर के भीतर उसने कुल 89.50 करोड़ रुपए का कर्ज लिया था, लेकिन कर्ज नहीं चुकाने से मार्च, 2014 में इस कर्ज को गैर-निष्पादित आस्ति (एनपीए) घोषित कर दिया गया। यह राशि ब्याज के साथ बढ़कर 31 मार्च, 2021 तक 218.21 करोड़ रुपए हो गई थी। सीबीआई ने एसबीआई प्रबंधन की तरफ से वित्तीय धोखाधड़ी की शिकायत मिलने के बाद कार्रवाई शुरू की है।

पाकिस्तानी कारोबारी का दावा, पाकिस्तान और भारत बैकचैनल से बात कर रहे

लाहौर (ईएमएस)। पाकिस्तान के बडे व्यवसायी में से एक मियां मुहम्मद मंशा ने कहा है कि पाकिस्तान और भारत बैकचैनल के द्वारा बातचीत कर रहे है, इससे अच्छे नतीजे मिलने के आसार हैं। उन्होंने पड़ोस के देशों के साथ संबंधों में सुधार के महत्व पर जोर दिया है।एक रिपोर्ट में कहा गया कि मंशा ने लाहौर चैंबर्स ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री की एक मीटिंग में कहा है कि अगर दोनों देशों के बीच चीजें बेहतर होती हैं,तब भारतीय पीएम नरेंद्र मोदी अगले एक महीने में पाकिस्तान का दौरा कर सकते हैं।

मंशा ने दोनों देशों को विवादों को सुलझाने और क्षेत्र में गरीबी से लड़ने के लिए बिजनेस शुरू करने की सलाह दी है।उन्होंने कहा है कि अगर पाकिस्तान की इकॉनमी में सुधार नहीं हुआ,तब देश को विनाशकारी नतीजे भुगतने पड़ सकते हैं।पाकिस्तान को भारत के साथ व्यापार संबंधों में सुधार कर आर्थिक विकास के लिए एक क्षेत्रीय दृष्टिकोण अपनाना चाहिए। यूरोप ने दो बहुत बड़े युद्ध लड़े लेकिन आखिर में शांति और क्षेत्रीय विकास के लिए समझौता किया। कोई स्थायी दुश्मनी नहीं है। भारत द्वारा अगस्त 2019 में जम्मू कश्मीर के आर्टिकल 370 को निरस्त करने के बाद से दोनों देशों के बीच ट्रेड संबंध ठंडे बस्ते में चले गए हैं। हालांकि पाकिस्तान ने हाल ही में अपनी पहली राष्ट्रीय सुरक्षा नीति पेश कर भारत के साथ शांति पर जोर दिया था। नई नीति के तहत पड़ोसी देशों के साथ बेहतर संबंध बनाए जाने की बता कही है।

एफबीआई की पुष्टि, पत्रकारों, और विरोधियों पर निगरानी रखने खरीदा गया था पेगासस!

वॉशिंगटन (ईएमएस)। अमेरिकी शीर्ष संघीय जांच ब्यूरो (एफबीआई) ने एनएसओ ग्रुप से स्पाइवेयर 'पेगासस' खरीदने की पुष्टि पर अपनी मोहर लगाई है। आरोप हैं कि इसका इस्तेमाल पत्रकारों, विरोधियों और मानवाधिकार कार्यकर्ताओं पर नजर रखने के लिए लंबे समय से किया जा रहा है। एनएसओ, इज़राइल की एक सॉफ्टवेयर कम्पनी है। एफबीआई का कहना है कि 'पेगासस' खरीदने के पीछे उसकी मंशा 'उभरती प्रौद्योगिकियों के साथ कदम मिलाकर चलना था।' एजेंसी ने गुरुवार को एक बयान में कहा कि उसने इज़राइल की कम्पनी से 'केवल उत्पाद परीक्षण और मूल्यांकन के लिए' एक सीमित लाइसेंस प्राप्त किया था और कभी भी किसी भी जांच के लिए इसका उपयोग नहीं किया।

आलोचकों का हालांकि कहना है कि अगर कोई खास मकसद नहीं था तो प्रमुख अमेरिकी कानून प्रवर्तन एजेंसी को एक कुख्यात निगरानी उपकरण खरीदने की जरूरत आखिर क्यों पड़ी। एफबीआई के प्रवक्ता ने यह नहीं बताया कि एजेंसी ने एनएसओ समूह को कितना भुगतान किया या कब किया, लेकिन पिछले सप्ताह एक खबर में दावा किया था कि 2019 में इसके परीक्षण के लिए 50 लाख डॉलर का भुगतान कर एक साल का लाइसेंस प्राप्त किया गया था।

'रॉकेट विद विंग्स' योजना पर चीन की कवायद, एक घंटे में अमेरिका तक होगी पहुंच

बीजिंग (ईएमएस)। महाशक्ति बनने के लिए चीनी पूरी जोरशोर से लगा है वह एक ऐसे हाइपरसोनिक विमान बनाने की कवायद में जुटा है जिसके द्वारा केवल एक घंटे में ही अमेरिका तक पहुंचा जा सकता है। 'रॉकेट विद विंग्स' को आश्चर्यजनक रूप से 7,000 मील प्रति घंटे की गति से उड़ान भरने के लिए डिज़ाइन किया जा रहा है और परीक्षण अगले साल शुरू होने वाला है। वैज्ञानिकों को इसके साल 2024 तक हवा में उड़ने के लिए तैयार होने की उम्मीद है। एक रिपोर्ट के अनुसार स्पेस ट्रांसपोर्टेशन द्वारा फ्यूचरिस्टिक प्लेन विकसित किया जा रहा है।

कंपनी का दावा है कि वह सिर्फ एक घंटे में न्यूयॉर्क को चीन की राजधानी से जोड़ने में सक्षम होगी। फर्म ने चीनी मीडिया को बताया, ठहम हाई-स्पीड, पॉइंट-टू-पॉइंट ट्रांसपोर्टेशन के लिए एक पंखों वाला रॉकेट विकसित कर रहे हैं, जो उपग्रहों को ले जाने वाले रॉकेटों की तुलना में कम लागत और पारंपरिक विमानों की तुलना में तेज़ है। हाइपरसोनिक विमान चीन की हाई-टेक योजनाओं में प्रमुख हैं क्योंकि देश ने इस क्षेत्र में बड़ी मात्रा में पैसे बहाया है। पिछले साल ही चीन ने एक ऐसे विमान की योजना का अनावरण किया था जिसमें 10 लोग बैठ सकेंगे और एक घंटे में धरती के किसी भी कोने में पहुंच जाएंगे। इसके अलावा चीन 9656 किलोमीटर प्रति घंटे की गति वाली न्यूक्लियर मिसाइल इंजन भी तैयार कर रहा है।

मोदी की नीतियों से पाक-चीन के करीब आने वाले राहुल गांधी के आरोपों को अमेरिका ने खारिज किया

वॉशिंगटन (ईएमएस)। पाकिस्तान और चीन के बढ़ती गलबहियों को लेकर कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने केंद्र की पीएम मोदी सरकार की अप्रभावी नीतियों को जिम्मेदार ठहराया जिसको लेकर अमेरिका के विदेश मंत्रालय ने अपनी प्रतिक्रिया दी है। अमेरिकी विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता नेड प्राइस ने कहा कि मैं इसे पाकिस्तानियों और चीन के ऊपर छोड़ता हूं कि वे अपने रिश्ते के बारे में बोलें लेकिन मैं इस बयान को निश्चित रूप से बढ़ावा नहीं देता हूं। नेड प्राइस ने कहा कि पाकिस्तान अमेरिका का एक रणनीतिक सहयोगी देश है। हमारा पाकिस्तान की सरकार के साथ महत्वपूर्ण रिश्ता है। यह एक ऐसा रिश्ता है जिसे हम विभिन्न मोर्चों पर तवज्जो देते हैं। इससे पहले कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष और सांसद राहुल गांधी बुधवार को लोकसभा में मोदी सरकार पर निशाना साधा था। राहुल गांधी ने चीन को लेकर सरकार को आगाह भी कर गए। उन्होंने कहा कि सरकार ने विदेश नीति में बड़ी गलतियां की हैं।

राहुल गांधी ने कहा कि चीन की तरफ देखिए, वह कैसे हथियार खरीद रहा है। हमें खुद का बचाव करने की जरूरत है। राहुल ने आगे कहा कि यह देश के लिए महत्वपूर्ण है कि आप हमें सुनिए। आप सोच रहे होंगे पर हम नहीं समझ रहे हैं लेकिन हम जानते हैं। हमें सुनिए और इसका इस्तेमाल कीजिए। उन्होंने आगे कहा कि अगर कुछ भी होता है तो आप उसके लिए जिम्मेदार होंगे। राहुल गांधी ने कहा कि आज केंद्र की नीति की वजह से पाक और चीन साथ आए। आज सरकार की विदेश नीति पूरी तरह से फेल हुई है। लोकसभा में बोलते हुए कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने कहा कि राष्ट्रपति के अभिभाषण में बेरोजगारी के बारे में एक शब्द नहीं था। राहुल गांधी ने कहा कि स्टार्ट अप इंडिया और मेड इंडिया से कुछ नहीं होगा। राहुल गांधी ने कहा कि सरकार ने असंगठित क्षेत्र को बर्बाद कर दिया।

बाइडन ने पौलेंड और जर्मनी में 2,000 सैनिक तैनाती के आदेश दिया

- जर्मनी से रोमानिया में 1,000 और सैनिक किए जा रहे हैं स्थानांतरित

वाशिंगटन (ईएमएस)। अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडन ने पोलैंड और जर्मनी में 2,000 अमेरिकी सैनिकों को तैनात करने का आदेश दिया है और जर्मनी से रोमानिया में 1,000 और सैनिक स्थानांतरित किए जा रहे हैं। पेंटागन ने गुरुवार को यह जानकारी दी। ऐसा कर बाइडन यूक्रेन पर रूस के सैन्य आक्रमण की आशंका के बीच नाटो के पूर्वी हिस्से पर अपने सहयोगियों के प्रति अमेरिकी कटिब्द्धता प्रदर्शित करने की कोशिश कर रहे हैं। रूस ने इस कदम पर आपत्ति जताते हुए इस तैनाती को निराधार और विनाशकारी बताया। रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने ब्रिटेन के प्रधानमंत्री बोरिस जॉनसन के साथ फोन पर बातचीत भी की। हालांकि, दोनों देशों की सरकारों की ओर से जारी बयानों से प्रतीत होता है कि मामले को लेकर कोई सहमति नहीं बन पाई। पुतिन ने कहा कि कि रूस की सुरक्षा चिंताओं पर पश्चिम कोई ध्यान नहीं दे रहा, वहीं जॉनसन ने यूक्रेन की सीमा पर रूस की शत्रुतापूर्ण गतिविधि के बारे में गहरी चिंता व्यक्त की और वहां तैनात रूस के 100,000 सैनिकों का जिक्र भी किया। बाइडन प्रशासन अब संकट के राजनयिक समाधान खोजने के प्रयासों को कम किए बिना अमेरिकी प्रतिबद्धता दर्शाने की कोशिश कर रहा है।

बाइडन प्रशासन ने हालांकि, नाटो के पूर्वी हिस्से में बाल्टिक देशों एस्टोनिया, लातविया और लिथुआनिया में सैनिक नहीं भेजे हैं। पेंटागन के प्रेस सचिव जॉन किर्बी ने कहा कि शीघ्र ही की जाने वाली अमेरिकी सैन्यबलों की तैनाती का मकसद अमेरिका और संबद्ध सहयोगियों का मनोबल बढ़ाना है। उन्होंने कहा ?कि यह स्थायी कार्रवाई नहीं हैं। उन्होंने कहा कि रूस लगातार यूक्रेन सीमा के पास सैनिकों की तैनाती कर रहा है, यहां तक की पिछले 24 में भी उसने ऐसा किया है, जबकि अमेरिका उससे लगातार स्थिति नहीं बिगड़ने देने की अपील कर रहा है। इस बीच रूस के उपविदेश मंत्री एलेक्जेंडर ग्रुशको ने संवाद समिति इंटरफैक्स से कहा ?कि बेबुनियाद विध्वंसक कदमों से सैन्य तनाव बढ़ेगा ही और राजनीतिक निर्णयों के लिए गुजाइंश कम होगी।

सोने में तेजी , चांदी नीचे आयी

नई दिल्ली (ईएमएस) घरेलू बाजार में सोना ऊपर आया है जबकि चांदी गिरी है। राष्ट्रीय राजधानी के सर्राफा बाजार में गुरुवार को सोना 37 रुपये बढ़कर 47,902 रुपये प्रति 10 ग्राम पर बंद हुआ। वहीं पिछले कारोबारी सत्र में सोना 47,865 रुपये प्रति 10 ग्राम पर बंद हुआ था। दूसरी ओर चांदी की कीमत में गुरुवार को 536 रुपये की गिरावट आई। चांदी 61,102 रुपये प्रति किलोग्राम पर बंद हुई जबकि पिछले कारोबारी सत्र में यह 61,638 रुपये प्रति किलोग्राम पर बंद हुई थी।

अंतरराष्ट्रीय बाजार में सोने का भाव 1,803 डॉलर प्रति औंस पर था, जबकि चांदी 22.55 डॉलर प्रति औंस पर थी।

दुश्मन की मिसाइलों को हवा में ही खत्म करने इजरायल बनाने जा रहा लेजर की दीवार

तेल अवीव (ईएमएस)। देश की सुरक्षा के मामले में इजरायल कोई कोताही नहीं बरतना चाहता है। आयरन डोम हवाई रक्षा कवच के बाद अब इजरायल दुश्मन की मिसाइलों को हवा में ही खत्म करने के लिए लेजर की दीवार बनाने जा रहा है। इजरायल के प्रधानमंत्री नेफ्ताली बेनेट ने देश की सुरक्षा में इस बड़े तकनीकी बदलाव का ऐलान किया। उन्होंने कहा कि इजरायल को चारों ओर से लेजर की दीवार से घेर दिया जाएगा ताकि मिसाइलों को बीच रास्ते में ही तबाह किया जा सके। बेनेट ने मंगलवार को एक सुरक्षा कांफ्रेंस में कहा कि इजरायल तेजी से लेजर तकनीक को तैनात करने जा रहा है ताकि देश को रॉकेट हमलों से बचाया जा सके। उन्होंने कहा कि अगले एक साल के अंदर देश के दक्षिणी हिस्से में यह 'लेजर की दीवार' बनाकर खड़ी कर दी जाएगी। इजरायली पीएम ने यह भी माना कि आयरन डोम सिस्टम बहुत खर्चीला है। इजरायल की इस लेजर दीवार के बारे में अभी बहुत कम जानकारी सामने आई है लेकिन माना जा रहा है कि इसे जमीन, हवा और समुद्र में तैनात किया जाएगा। इजरायल इस लेजर दीवार की तैनाती करके अपने सबसे बड़ शत्रु ईरान और उसके सहयोगी हमास को चेतावनी देना चाहता है। बेनेट ने कहा कि अगर एक मिसाइल या रॉकेट को मात्र कुछ डॉलर के एक इलेक्ट्रिक पल्स के जरिए निशाना बनाया जा सकता है तो हमें उस आग के दरिया को बर्बाद करना होगा जिसे हमारी सीमा पर ईरान ने बना रखा है। उन्होंने यह भी कहा कि यह नए तरीके का डिफेंस सिस्टम इस इलाके में हमारे दोस्तों की भी मदद कर सकता है।

बता दें कि इजरायल ने पिछले साल जून महीने में एयरबॉर्न लेजर गन की मदद से कई बार टेस्ट में ड्रोन विमानों को मार गिराया था। इजरायल ने इस शानदार उपलब्धि को 'मील का पत्थर' करार दिया था। यह घातक इजरायली सिस्टम किसी भी उड़ती हुई वस्तु जैसे ड्रोन, मोर्टार, रॉकेट, मिसाइल को हवा में ही मार गिराने में सक्षम है। इजरायल ने यह करनामा ऐसे समय पर कर दिखाया है जब दुनियाभर में भविष्य में ड्रोन युद्ध की आशंका तेज होती जा रही है। इजरायल के रक्षा मंत्रालय के शोध और विकास यूनिट के प्रमुख यानिव रोटेम के मुताबिक इस परीक्षण के दौरान एक छोटे से यात्री विमान पर हाई पावर लेजर सिस्टम को लादा गया। इस लेजर सिस्टम ने सफलतापूर्वक हवा में कई ड्रोन विमानों को सफलतापूर्वक तबाह कर दिया। उन्होंने कहा कि ड्रोन, मोर्टार, रॉकेट, मिसाइल को बर्बाद करने वाले इस सिस्टम के नमूने को अगले 3 से 4 साल में बना लिया जाएगा।

उन्होंने कहा कि सिद्धांत रूप में ही सही आने वाले समय में हमास के रॉकेट से लोहा लेने वाले इजरायल के आयरन डोम सिस्टम में लेजर वेपन को जोड़ दिया जाएगा। आयरन डोम सिस्टम रॉकेट हमले रोकने में प्रभावी है लेकिन काफी महंगा है। इजरायल की ओर से जारी एक वीडियो में नजर आ रहा है कि एक छोटे से प्लेन के ऊपर लेजर सिस्टम लगा है और एक टेस्ट ड्रोन पर ऊर्जा की किरणों से हमला कर रहा है। ऐसा लगा रहा है कि इस लेजर हमले से टेस्ट ड्रोन के अंदर छेद हो गया और उसके अंदर हवा में ही आग लग गई।

अमेरिका का खुफिया उपग्रह कैलिफोर्निया से प्रक्षेपित

लॉस एंजिलिस (ईएमएस)। अमेरिका के राष्ट्रीय टोही कार्यालय (एनआरओ) के लिए एक विशेष उपग्रह को गुरुवार को कैलिफोर्निया से अंतरिक्ष में प्रक्षेपित किया गया। एनआरओएल-87 उपग्रह को स्पेसएक्स फाल्कन 9 रॉकेट के जरिए वैंडेनबर्ग स्पेस फोर्स बेस से प्रक्षेपित किया गया। प्रक्षेपण का वेबकास्ट तब तक किया गया, जब तक कि पहले चरण की प्रक्रिया पूरी नहीं हो गई। फाल्कन के पहले चरण का हिस्सा लॉस एंजिलिस के उत्तर-पश्चिम में समुद्र तट पर वापस आ गया, ताकि भविष्य में एनआरओ के अभियान में इसका पुनः उपयोग किया जा सके। एनआरओ ने एनआरओएल-87 उपग्रह को केवल राष्ट्रीय सुरक्षा पेलोड के रूप में वर्णित किया। 2019 में वायु सेना ने ऐसे तीन प्रक्षेपण के लिए स्पेसएक्स को 29.7 करोड़ अमेरीकी डॉलर का संयुक्त भुगतान किया था, जिसके तहत ही यह प्रक्षेपण किया गया। एनआरओ अमेरिकी उपग्रहों के विकास, निर्माण, प्रक्षेपण और रखरखाव के लिए प्रभारी सरकारी एजेंसी है, जो वरिष्ठ नीति निर्माताओं, खुफिया समुदाय और रक्षा विभाग को खुफिया डेटा प्रदान करती है। कार्यालय ने लगभग एक दर्जन पेलोड को कक्षा में स्थापित करने के लिए इस वर्ष आधा दर्जन से अधिक प्रक्षेपण करने की योजना बनाई है।

रुस से तनाव पर यूक्रेनी विदेशमंत्री ने भारत सरकार से मांगी मदद

कीव (ईएमएस)। रूस और यूक्रेन के हजारों की तादाद में सैनिक मिसाइलों और भारी हथियारों के साथ सीमा पर जमा हैं।अमेरिका और नाटो देशों की ओर से रूसी हमले की आशंका हैं,वहीं यूक्रेन के राष्ट्रपति शांति पर जोर दे रहे हैं। इस बीच यूक्रेन के विदेश मंत्री दमयत्रो कुलेबा ने रूस के शांति की बहाली में भारत से मदद की गुहार लगा दी है। यूक्रेन के विदेश मंत्री ने कहा कि इसका असर पड़ेगा।दमयत्रो कुलेबा ने कहा कि भारत रूस को यह स्पष्ट तरीके से बता सकता है कि यूक्रेन मित्र है, और भारत का भागीदार है।भारत रूस की ओर से वर्तमान संकट को सुलझाने के लिए सैन्य तरीके से या अंदर से ही अस्थिर करने के किसी भी प्रयास को अस्वीकार्य मानता है। उन्होंने कहा, यदि रूस यह भारत सरकार की ओर से सुनता है,तब यह समर्थन का बहुत सख्त संदेश होगा और इसका एक असर होगा।'

यूक्रेनी विदेश मंत्री का यह बयान उस समय पर आया है, जब भारत ने कूटनीतिक तरीके से ताजा हालात के शांतिपूर्ण समाधान का आह्वान किया है। भारत ने संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में यूक्रेन मुद्दे पर हुई वोटिंग से दूरी बनाए रखी। माना जा रहा है कि भारत इस मुद्दे पर किसी भी पक्ष का समर्थन नहीं करना चाहता था। अगर भारत रूस के पक्ष में वोट देता,तब अमेरिका सहित कई पश्चिमी देश नाराज हो सकते थे। वहीं, अगर भारत यूक्रेन के समर्थन करता,तब इससे रूस के साथ रिश्तों पर गंभीर असर पड़ सकता था।इसके बाद भारत ने बीच का रास्ता चुनते हुए मतदान से दूरी बनाए रखी। यूक्रेन और रूस के बीच इस समय युद्ध जैसे हालात बने हुए हैं। रूस ने अपनी सीमा पर 1 लाख सैनिकों को भारी हथियारों के साथ तैनात किया हुआ है। वहीं यूक्रेन भी अमेरिका और बाकी नाटो देशों के हथियारों को रूसी सीमा पर भेज रहा है। यूक्रेन में भारतीय छात्रों के बारे में यूक्रेन के विदेश मंत्री ने कहा कि हम भारतीय छात्रों के यूक्रेन के जीवन में योगदान की प्रशंसा करते हैं। मैं भारतीय छात्रों से कहना चाहता हूं कि दुनिया में यूक्रेन की तुलना में और ज्यादा जटिल और खतरनाक जगहें हैं।वे सुरक्षित महसूस कर सकते हैं, अपनी पढ़ाई को जारी रख सकते हैं और अपने जीवन का पूरा आनंद ले सकते हैं।

2080 तक समुद्र में 70 फीसदी कम हो जाएगी आक्सीजन की मात्रा, फूलने लगेगी मछलियों की सांस

वॉशिंगटन (ईएमएस)। मछली खाने वालों के लिए डरावनी खबर है। उनके लिए भी बुरी है जो सी-फूड्स के दीवाने हैं । क्योंकि समुद्रों से लगातार ऑक्सीजन कम हो रही है। एक ताजा अध्ययन के मुताबिक सन 2080 तक दुनिया के सभी समुद्रों से 70 फीसदी ऑक्सीजन की कमी हो जाएगी। इसकी जलवायु परिवर्तन है। नए अध्ययन में खुलासा हुआ है कि समुद्रों का बीच वाला हिस्सा जिसमें सबसे ज्यादा मछलियां पाई जाती हैं। उससे पूरी दुनिया का मछली उद्योग फलफूल रहा है। वहां पर लगातार ऑक्सीजन की कमी हो रही है। वह भी अत्यधिक अप्राकृतिक दर से। पिछले साल 2021 में दुनिया भर के समुद्रों में ऑक्सीजन गंभीर स्तर पर पहुंच गया है।

समुद्र में ऑक्सीजन घुली हुई होती है। वह भी गैस के रूप में। जैसे जमीन पर जानवरों को सांस लेने के लिए ऑक्स

गुजरात के 8 महानगरों सहित 27 शहरों में रात्रि कर्फ्यू 11 फरवरी तक रात्रि 10 से सुबह 6 बजे तक जारी रहेगा

मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल की अध्यक्षता में हुई कोर कमेटी की बैठक में लिए गए अहम निर्णय

☐ बंद स्थानों में विवाह समारोह के आयोजन पर अधिकतम 150 जबकि खुली जगह में आयोजित होने वाले विवाह समारोह में अधिकतम 300 लोग हो सकेंगे शामिल

☐ 8 महानगरों सहित 27 शहरों में रात्रि कर्फ्यू 11 फरवरी तक रात्रि 10 से सुबह 6 बजे तक जारी रहेगा

मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल की अध्यक्षता में गुरुवार को गांधीनगर में हुई कोर कमेटी की बैठक में राज्य में कोरोना संक्रमण की वर्तमान स्थिति की समीक्षा की गई।

कोर कमेटी की बैठक में राज्य के नागरिकों के व्यापक स्वास्थ्य हित में कई महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए हैं। ये निर्णय कल यानी 4 फरवरी से लागू होंगे और 11 फरवरी, 2022 की सुबह 6 बजे तक प्रभावी रहेंगे।

निर्णय के अनुसार राज्य में सभी तरह के राजनीतिक, सामाजिक, शैक्षणिक, सांस्कृतिक और धार्मिक कार्यक्रमों जैसे सार्वजनिक समारोहों एवं सभाओं में अधिकतम 150 व्यक्ति लोग शामिल हो सकेंगे।

बंद स्थलों में आयोजित होने वाले ऐसे समारोह में जगह की क्षमता के 50 फीसदी परन्तु अधिकतम 150 लोग ही शामिल हो सकेंगे।

राज्य में विवाह समारोह के लिए खुली जगह में 300 व्यक्तियों की सीमा में शादी का समारोह आयोजित किया जा सकेगा।

वहीं, बंद जगह पर विवाह समारोह का आयोजन होने पर जगह की क्षमता के 50 फीसदी लेकिन अधिकतम 150 लोगों की सीमा में ही समारोह का आयोजन करना होगा।

कोर कमेटी में लिए गए निर्णय के अनुसार राज्य के 8 महानगरों सहित कुल 27 शहरों में जारी रात्रि कर्फ्यू 11 फरवरी तक यथावत रहेगा।

होटल और रेस्टोरेंट को होम डिलीवरी सेवा 24 घंटे चालू रखने की छूट दी गई है। फिलहाल अहमदाबाद, वडोदरा, सूरत, राजकोट, जामनगर, जूनागढ़, भावनगर और गांधीनगर सहित कुल आठ महानगरों में रात्रि कर्फ्यू लागू है।

इसके अतिरिक्त मुख्यमंत्री ने कोरोना संक्रमण के ज्यादा पॉजिटिविटी रेट (परीक्षण के दौरान लोगों के पॉजिटिव निकलने की दर) वाले 19 शहरों आणंद, नड़ियाद, सुरेन्द्रनगर, धांगध्रा, मोरबी, वांकानेर, धोराजी, गोंडल, जेतपुर, कालावड़, गोधरा, विजलपोर (नवसारी), नवसारी, बिलिमोरा, व्यारा, वापी, वलसाड़, भरुच और अंकलेश्वर में भी 4 फरवरी से प्रतिदिन रात्रि 10 बजे से सुबह 6 बजे तक रात्रि कर्फ्यू को जारी रखने का निर्णय किया है।

रात्रि कर्फ्यू की 4 फरवरी, 2022 की सुबह 6 बजे पूरी होने वाली मौजूदा समयावधि को 11 फरवरी, 2022 तक बढ़ा दिया गया है।

जिसके अनुसार अब 8 महानगरों के अलावा 19 शहरों में 4 फरवरी से 11 फरवरी तक प्रतिदिन रात्रि 10 बजे से सुबह 6 बजे तक रात्रि कर्फ्यू प्रभावी रहेगा।

राज्य सरकार द्वारा कोरोना संक्रमण की रोकथाम के संदर्भ में जारी की गई गृह विभाग की गाइडलाइन के अन्य बिंदु आगामी 11 फरवरी, 2022 की सुबह 6 बजे तक लागू रहेंगे।

श्री भूपेंद्र पटेल ने कोर कमेटी की बैठक में मंत्रियों एवं वरिष्ठ सचिवों के साथ कोरोना की स्थिति की व्यापक समीक्षा करते हुए अन्य महत्वपूर्ण निर्णय किए हैं।

मुख्यमंत्री की अध्यक्षता में आयोजित कोर कमेटी की इस बैठक में राजस्व मंत्री श्री राजेंद्र त्रिवेदी, स्वास्थ्य मंत्री श्री ऋषिकेश पटेल, मुख्यमंत्री के मुख्य प्रधान सचिव श्री के. कैलाशनाथन, मुख्य सचिव श्री पंकज कुमार, गृह विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव श्री राजकुमार सहित कई अन्य वरिष्ठ सचिव भी शामिल थे।

गुजरात एटीएस ने किशन भरवाड हत्या केस में और 3 आरोपियों को किया गिरफ्तार

अहमदाबाद (ईएमएस) धंधुका में किशन भरवाड हत्या केस में गंभीरता से कार्यवाही कर रही गुजरात एटीएस ने और तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया हैं पकड़े गए आरोपियों ने किशन भरवाड हत्या करने में मदद की थी इस मामले पुलिस अब तक 10 आरोपियों को गिरफ्तार कर चुकी है, जिसमें दो मौलाना भी शामिल हैं गत 25 जनवरी को अहमदाबाद जिले के धंधुका में किशन भरवाड नामक युवक की हत्या कर दी गई थी किशन भरवाड की हत्या के आरोप में पुलिस ने सबसे पहले फायरिंग करनेवाले शब्बीर और इम्तियाज को गिरफ्तार किया था जिसके बाद अहमदाबाद के जमालपुर निवासी मौलवी मोहमद अयूब जावरावाला, दिल्ली के मौलाना कमरगनी उस्मानीगनी, मोरबी के अजीम समा समेत 7 लोगों को पकड़ा था मामले की जांच गुजरात एटीएस को सौंपे जाने के बाद कार्यवाही तेज हो गई हैं गुजरात एटीएस ने किशन भरवाड की हत्या में मदद करने वाले महमद रमीज सलीम सेता, महमद हुसैन कासम चौहान और मतीन उस्मान मोदन को गिरफ्तार किया हैं गुजरात समेत देशभर में चर्चा का विषय बने किशन भरवाड हत्याकेस में अब तक 10 आरोपियों को गिरफ्तार किया जा चुका है, जिसमें 2 मौलाना शामिल हैं मामले की जांच कर रही गुजरात एटीएस के मुताबिक मौलाना करमगनी उस्मानी पिछले 6 महीनों के दौरान गुजरात के अलग अलग शहरों में लोगों से मिला था पुलिस की पूछताछ में पहले मौलाना करमगनी ने शब्बीर को पहचानने से इंकार कर दिया था, लेकिन सामने आते ही उसने शब्बीर को पहचान लिया और कहा कि सोशल मीडिया के जरिए उसका संपर्क हुआ था करमगनी ने शब्बीर से कहा था कि वह कुछ भी गलत नहीं कर रहा उसके बाद करमगनी उस्मानी, अहमदाबाद के मौलवी मोहमद अयूब जावरावा और शब्बीर के बीच मुलाकात हुई थी जिसमें किशन भरवाड की हत्या की साजिश रची गई और 25 जनवरी को अंजाम दिया गया करमगनी उस्मानी पाकिस्तान की दावत ए इस्लामी नामक संस्था से जुड़ा है और गुजरात समेत भारत में इसकी कई संस्थाएं कार्यरत हैं इन संस्थाओं में इस्लामिक शिक्षा की आड़ में युवकों का ब्रेन वॉश कर जेहादी गतिविधियों के लिए उकसाया जाता हैं

गुजरात में कोरोना के 7606 नए मामले, 13195 लोग डिस्चार्ज, 34 मरीजों की मौत

अहमदाबाद (ईएमएस) गुजरात में आज कोरोना के 7606 नए मामले सामने आए हैं, वहीं 13195 लोगों को ठीक होने के बाद डिस्चार्ज किया गया जबकि 34 मरीजों की कोरोना से मौत हो गई राज्य में कोरोना से स्वस्थ होने का दर बढ़कर 93.75 प्रतिशत हो गया हैं गुरुवार को 3.87 लाख नागरिकों का टीकाकरण किया गया स्वास्थ्य विभाग से मिली जानकारी के मुताबिक पिछले 24 घंटों में अहमदाबाद कॉर्पोरेशन में 3118, वडोदरा कॉर्पोरेशन में 1127, गांधीनगर कॉर्पोरेशन में 354, वडोदरा में 286, राजकोट कॉर्पोरेशन में 238, मेहसाणा में 230, सूरत कॉर्पोरेशन में 227, राजकोट में 172, गांधीनगर में 171, सूरत में 162, आणंद में 151, बनासकांठा में 149, पाटन में 128, खेडा में 123, भरुच में 116, कच्छ में 111, साबरकांठा में 67, भावनगर कॉर्पोरेशन में 65, नवसारी में 55, मोरबी में 53, तापी में 53, जामनगर कॉर्पोरेशन में 49, अहमदाबाद में 47, वलसाड में 47, सुरेन्द्रनगर में 42, पंचमहल में 41, अमरेली में 30, दाहोद में 27, देवभूमि द्वारका में 19, भावनगर में 18, अरवल्ली में 17, डांग में 17, जूनागढ़ में 16, महीसागर में 14, जामनगर में 13, जूनागढ़ में 13, छोटाउदेपुर में 11, पोरबंदर में 10, गिर सोमनाथ में 9, नर्मदा में 6 और बोटाद में 4 समेत राज्यभर में कोरोना के कुल 7606 नए केस दर्ज हुए जबकि 13195 मरीजों को ठीक होने के बाद डिस्चार्ज कर दिया गया पिछले 24 घंटों में राज्य में 34 मरीजों की मौत के साथ कोरोना का मृतांक 10579 हो गया हैं जबकि 1111394 लोग कोरोना को मात देकर स्वस्थ हो चुके हैं राज्य में कोरोना के 63564 सक्रिय मरीजों में 63298 स्टेबल हैं और 266 मरीज वेन्टीलेटर पर हैं आज राज्य में 387645 नागरिकों का वैक्सीनेशन किया गया जिसमें 37 हेल्थ केयर वर्कर और फ्रंट लाइन वर्कर को पहला और 626 लोगों को कोरोना का दूसरा डोज दिया गया 45 वर्ष से अधिक आयु के 4964 को पहला और 15185 नागरिकों को दूसरा टीका लगाया गया 18 से 45 वर्ष आयु वर्ग के 23818 को पहली और 84070 लोगों को कोविड की दूसरी वैक्सीन लगाई गई वहीं 15 से 18 वर्षीय 25591 किशोरों को पहला और 198744 को कोरोना का दूसरा टीका लगाया गया जबकि 34710 नागरिकों को प्रिकॉशन डोज दिया गया राज्य में अब तक 9 करोड़ 90 लाख 43 हजार 111 नागरिकों को वैक्सीनेट किया जा चुका हैं

मेट्रो रेल प्रोजेक्ट के कारण अब इस इलाके में 1 साल तक आवाजाही बाधित रहेगी

अहमदाबाद : अहमदाबाद में पिछले कुछ वर्षों से मेट्रो रेल प्रोजेक्ट का काम चल रहा है। नागरिकों के लिए यातायात की सुविधा सुलभ करवाने का इस प्रोजेक्ट का उद्देश्य है। लेकिन फिलहाल तो जब तक प्रोजेक्ट पूरा नहीं हो जाता, अहमदाबाद वासी ट्रैफिक जाम व उससे जुड़ी अन्य समस्याओं से त्रस्त दिख रहे हैं। शहर के अलग-अलग इलाकों में सड़कों पर आवाजाही बाधित है। इसी क्रम में अब थलतेज इलाके में मेट्रो ट्रेन की कार्यवाही के चलते थलतेज तालाब तक का रास्ता 1 साल तक के लिए बंद करने का निर्णय किया गया है। ऐसे में इस मार्ग का उपयोग आवाजाही के लिए करने वाले लोगों को अगले 12 महीने तक परेशानी का सामना करना पड़ेगा।

ज्ञातव्य है कि ऐसी बड़ी परियोजनाओं के लाभ लंबे अरसे बाद नजर तो आते हैं, लेकिन अल्पावधि में लोगों को मुश्किलों का सामना करना पड़ता है। मेट्रो ट्रेन के लिए मार्गो में आवाजाही बाधित होने से न सिर्फ ट्रैफिक की समस्या पैदा होती है बल्कि उस इलाके में व्यापार-धंधा कर रहे लोगों को आर्थिक चोट भी पहुंचती है। इससे बेरोजगारी के हालात भी पैदा होते हैं। खैर उम्मीद की जा सकती है कि नागरिक इस परेशानी भरे चंद महीने किसी तरह निकाल लेंगे और स्थानीय प्रशासन भी लोगों को कम से कम मुश्किलें आयें ऐसे जनहित के निर्णय लेते हुए फौरी राहत पहुंचता रहेगा।

प्रशासन की उपेक्षा से परेशान हुए लोगों का विरोध

धोराजी में सफाई के मुद्दे पर नाराज लोगों ने भगवान को आवेदन दिया

धोराजी का रामपरा क्षेत्र पिछले ५० वर्ष से रोड रास्ता और सफाई सहित की सुविधा के लिए मुश्किल अनुभव करता है

उपलेटा, ३ फरवरी।

धोराजी के रामपरा क्षेत्र के लोगों को रोड रास्ते और सफाई जैसे मामलों को लेकर नाराजगी आज चरमसीमा पर पहुंच गई है। यह क्षेत्र के लोगों ने आज रोड रास्ता और प्राथमिक सुविधा के लिए भगवान को आवेदन देने के साथ रामधून किया गया।

५० वर्ष से प्राथमिक सुविधा नहीं मिल रही होने का आरोप स्थानीय लोगों द्वारा लगाया गया है। धोराजी का रामपरा क्षेत्र पिछले ५० वर्ष से रोड रास्ता और सफाई सहित की सुविधा के लिए मुश्किल अनुभव कर रहा है। यह क्षेत्र में ५ हजार लोग रहते है और नगरपालिका को नियमित रूप से सभी टैक्स चुकाते है। लेकिन प्रशासन द्वारा इस क्षेत्र में कोई प्रकार की रोड और रास्ते की सुविधा नहीं दिए जाने का आरोप लगाया जा रहा है। यह क्षेत्र में प्रवेश करने पर जैसे कोई पिछड़ा और अविकसित क्षेत्र में आ पहुंचे हो ऐसा लगेगा। धूल वाला रोड, रोड पर बड़े बड़े गड्ढे, गड्ढे में हमेशा भर जाता पानी और रास्ते के आसपास कभी भी साफ नहीं हुई हो ऐसी गंदगी देखकर परेशान हो जाए ऐसी हालत देखने को मिली है।

यह क्षेत्र के लोगों की हालत पर दया आये यह निश्चित है। क्योंकि एक जबकि बीमार व्यक्ति के लिए एंबुलेंस बुलाया जाए तो एंबुलेंस और सरकार की १०८ की सेवा भी यहां नहीं पहुंचती है। रोड रास्ते की हालत तो यदि किसी गर्भववती को यह रोड पर ले जाए तो बच्चे का जन्म रास्ते में हो जाए ऐसा है। यह मामले में यह क्षेत्र के लोगों द्वारा कई वर्षों से नगरपालिका, विधायक सहित के लोगों को कई बार पेशकश की गई है लेकिन किसी प्रकार का काम यहां नहीं हुआ है और जैसा तैसा है। धोराजी के रामपरा क्षेत्र में रहते यह लोगों की नाराजगी आज चरमसीमा पर पहुंच गई है।

मानसून में रोड रास्ते हो तो ठीक लेकिन मकानों में पानी घुस जाते है जिसे लेकर प्रशासन और विधायक को कई बार पेशकश की है फिर भी कोई काम नहीं होने पर स्थानीय लोगों ने गुरुवार को एक रैली आयोजित की थी।

अपहरण करके तीन लाख रुपए मांगे

अज्ञात महिला को लिफ्ट देने वाले युवक को हनीट्रेप में फंसाया

जूनागढ़, ३ फरवरी।

जूनागढ़ जिले में एक युवक को महिला सहित तीन लोगों ने हनीट्रेप में फंसाकर फिरौती की मांग करने पर पुलिस ने सभी आरोपियों को गिरफ्तार कर अपहृत युवक को मुक्त कराया है। हनीट्रेप के इस मामले में पकड़ी गई महिला पहले भी हनीट्रेप केस में संलिप्त होने का खुलासा पुलिस की ओर से किया गया है। जिले के भेंसाण तहसील के धोलवा गांव में रहकर खेती काम करने वाले भावेश रामजी बोरड (३५) बीति दिन जूनागढ़ की ओर अपनी बाइक पर सवार होकर जा रहे थे तभी रास्ते में भेंसाण चौकड़ी के पास अज्ञात महिला ने लिफ्ट मांगी तो वह बाइक पर बैठा रहा था। तभी दो लोग बाइक पर वहां पहुंचे और अपने आप को एलसीबी पुलिस की पहचान बताते हुए महिला के बारे में पूछताछ किया। अब इसके बाद भावेश को अपनी बाइक पर बैठाकर उसका अपहरण कर लिया। अब इतना ही नही उससे फिरौती के रूप में तीन लाख रुपए की मांग की। अब इसके बाद १.२० लाख रुपए के लिए भावेश तैयार हो गया और उसने सूरत में रहने वाले भाई मुकेश को फोन कर आंगडिया में सवा लाख रुपए भेजने को कहा। अब इसके बाद मुकेश को आशंका होने पर उसने गांव के ही अग्रणी नटूभाई पोकिया को जानकारी दी और इसके बाद संपूर्ण मामला पुलिस तक पहुंच गया। अब इस मामले में पुलिस ने अलग-अलग टीम बनाकर जांच के दौरान भावेश को लेकर आंगड़ीया पेढ़ी में पहुंच गई अपहरणकर्ताओं अरविंद गजेरा भरत डायाभाई पारधी और जिन्नत उर्फ बीबीबहन रफीक मकवाणा को गिरफ्तार कर लिया गया।

तलाटी मंत्री का विडियो हुआ वायरल

डेभारी ग्राम पंचायत में शराब की पार्टी से खलबली

महीसागर, ३ फरवरी।

गुजरात में शराबबंदी सिर्फ कागज पर होने की बात साबित करता हुआ विडियो वायरल हुआ है।

महीसागर के वीरपुर तहसील की डेभारी ग्राम पंचायत का विडियो वायरल हुआ है। पंचायत में तलाटी मंत्री शराब की मेहफिल का मजा लेते होने का विडियो सोशल मीडिया में वायरल हुआ है। महीसगार जिले के डेभारी ग्राम पंचायत का विडियो वायरल हुआ है।

इसमें तलाटी मंत्री पंचायत की ऑफिस में टेबल पर शराब का ग्लास भर रहे हैं। डेभारी ग्राम पंचायत के तलाटी रमेशभाई सहित अन्य लोग यहां शराब की मेहफिल का मजा ले रहे हैं। यह विडियो वायरल होने पर पूरे क्षेत्र में चर्चा का विषय बन गया है। पंचायत की ऑफिस में शराब की पार्टी का विडियो वायरल होने के बाद स्थानीय लोगों ने जिला विकास अधिकारी के समक्ष पेशकश की है। लेकिन लोगों की पेशकश के बाद अभी मंत्री के खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं हुई है। तलाटी के खिलाफ प्रशासन ने नजरअंदाज कर देने से लोग इसकी चर्चा कर रहे हैं।

देश के पांच राज्यों में चुनाव प्रचार जोर में

उत्तराखंड में भाजपा को जिताने के लिए राज्य के नेताओं को बड़ी जिम्मेदारी

अहमदाबाद, ३ फरवरी।

देश के पांच राज्यों में विधानसभा चुनाव होना है। जिसमें से उत्तराखंड में भी विधानसभा की ७० सीटों पर १४ फरवरी को मतदान होना है।

यहां भारतीय जनता पार्टी सत्ता में वापसी करने के लिए मैदान में उतर गई है। अब उत्तराखंड में भाजपा को जीत दिलाने के लिए गुजरात के नेताओं को जिम्मेदारी मिली है। उत्तराखंड में सत्ता में वापसी करने के लिए मैदान में उतरी भारतीय जनता पार्टी का प्रचार करने के लिए गुजरात भाजपा के नेताओं को जिम्मेदारी मिली है। गुजरात भाजपा के वरिष्ठ नेता उत्तराखंड जाने वाले हैं। सरकार के पूर्व मंत्रियों, पूर्व सांसदों को उत्तराखंड की जिम्मेदारी सौंपी गई है।

गढवाल क्षेत्र में पार्टी के उम्मीदवारों को चुनाव में जीत दिलाने का काम गुजरात के नेताओं को सौंपा गया है। गुजरात के जिन नेताओं को जिम्मेदारी मिली है इसमें भूपेन्द्रसिंह चुडासमा, शंकर चौधरी, सौरभ पटेल, गणपतसिंह वसावा, जयद्रथसिंह परमार, इश्वरसिंह पटेल, बाबू बोखरीया, रणछोड रबारी, किशोर कानाणी, जवाहर चावडा, आत्माराम परमार, मोहनभाई कुंडारिया, राजेश चुडासमा, बालकृष्ण शुक्ला, दिनेश अनावडीया और मितेश पटेल भी शामिल है। उत्तराखंड के विधानसभा में कुल ७० सीटें है। लेकिन भाजपा ने पिछले चुनाव में ५७ सीटें जीतकर सत्ता हासिल की थी। इस बार गढवाल क्षेत्र की ४१ सीटों पर भाजपा की विशेष नजर है। यानी कि यहां प्रचार की जिम्मेदारी गुजरात के नेताओं को दी गई है। महत्वपूर्ण है कि अब उत्तरप्रदेश के चुनाव में भी गुजरात भाजपा के कई नेता प्रचार कर रहे हैं।

राज्य में दो दिन बाद फिर बढ़ेगी ठंड, तटीय क्षेत्र में चलेगी तेज हवाएं

अहमदाबाद (ईएमएस) तीन-चार दिन की राहत के बाद फिर एक बार राज्य में ठंड़ बढ़ने का मौसम विभाग का अनुमान हैं राज्य के तटीय इलाकों में तेज हवाएं चलेंगी हांलाकि मछुआरों के लिए फिलहाल कोई चेतावनी जारी नहीं की गई मौसम विभाग के मुताबिक आगामी दो-तीन दिनों के बाद राज्य में फिर ठंड बढ़ेगी इस दौरान तटीय इलाकों में 40 से 50 किलोमीटर की रफ्तार से हवाएं चलेंगी मछुआरों के लिए कोई चेतावनी जारी नहीं की गई हैं 5 फरवरी के बाद राज्य के मौसम में बदलाव होगा और न्यूनतम तापमान घटने से ठंड का जोर बढ़ेगा गौरतलब है कि पिछले 3-4 दिनों से राज्य में न्यूनतम तापमान बढ़ने से लोगों को ठंड से राहत मिली हैं पिछले 3 दिनों से राज्य में ठंड का प्रमाण नहीं के बराबर हैं लेकिन फिर एक बार राज्य में ठंड बढ़ने की मौसम विभाग ने संभावना जताई हैं पांच फरवरी के बाद फिर एक बार ठंड गुजरात को अपने आगोश में ले लेगी

4 से 6 फरवरी 2022 को कलोल - आदरज मोती के बीच

स्थित रेलवे क्रॉसिंग नं.01 बंद रहेगा

अहमदाबाद मण्डल पर कलोल-आदरज मोती रेलखंड के स्थित रेलवे क्रॉसिंग नं.01 किमी (01/14-15) मरम्मत कार्य के लिए 4 फरवरी 2022 को प्रातः 08:00 बजे से 6 फरवरी 2022 को 20:00 बजे (कुल तीन दिन) तक बंद रहेगा।

सड़क उपयोगकर्ता इस अवधि के दौरान कलोल-गांधी नगर के बीच स्थित रेलवे क्रोसिंग नं 02 किमी (03/12-13) तथा रेलवे क्रॉसिंग नं. 232 किमी (759/13-14) का इस्तेमाल कर सकते है।

ट्रक और आइशर ट्रक के बीच भिड़ंत में एक ट्रक में लगी आग, ड्राइवर की जलकर मौत

अहमदाबाद (ईएमएस) अहमदाबाद-वडोदरा एक्सप्रेस हाईवे पर नडियाद से आ रहा ट्रक सड़क किनारे पार्क अन्य आइशर ट्रक से टकरा गया दो ट्रकों के बीच भिडंत के बाद एक में आग लग गई, जिसमें एक ड्राइवर की मौत हो गई जबकि एक शख्स गंभीर रूप से झुलस गया, जिसे उपचार के लिए नडियाद के अस्पताल में भर्ती कराया गया हैं जानकारी के मुताबिक बुधवार की देर रात नडियाद से अहमदाबाद की ओर आ रहा एक ट्रक अहमदाबाद-वडोदरा एक्सप्रेस हाईवे पर साइड में पार्क आइशर ट्रक के साथ तेज धमाके के साथ टकरा गया दो ट्रकों के बीच जबर्दस्त टक्कर से ट्रक के कैबिन में रखे सिलिंडर में जोरदार ब्लास्ट हुआ और आग भड़क उठी ट्रक का ड्राइवर नरेश महतो कुछ समझ पाता इससे पहले आग ने उसे अपने चपेट में लिया आग में बुरी तरह जले अशोक की घटनास्थल पर ही मौत हो गई इस दौरान पीछे से आ रहे अन्य एक ट्रक के ड्राइवर ने स्टेयरिंग से नियंत्रण गंवा दिया और ट्रक रोंग साइड में जाकर पलटी खा गई इस ट्रक के पलटने से हाईवे पर ऑइल फैल गया और अहमदाबाद से वडोदरा की ओर जा रहे वाहनों की लंबी कतार लग गई खबर मिलते ही अहमदाबाद फायर ब्रिगेड की टीम घटनास्थल पर पहुंच गई और आग पर काबू पाया आग की इस घटना में अन्य एक व्यक्ति बुरी तरह झुलस गया, जिसे नडियाद के अस्पताल में भर्ती कराया गया हैं तीन वाहनों के बीच दुर्घटना के कारण करीब एक घंटे के बाद ट्रैफिक बहाल हुआ

गुजरात सरकार का राजस्व विभाग में बड़ा फेरबदल, 134 डिप्टी कलेक्टरों का किया तबादला

अहमदाबाद (ईएमएस) गुजरात सरकार ने राजस्व विभाग में बड़ा फेरबदल किया हैं सरकार ने 134 डिप्टी कलेक्टरों के तबादले का आदेश जारी किया हैं गुजरात में मुख्यमंत्री भूपेन्द्र पटेल की सरकार बनने के बाद राजस्व मंत्री राजेन्द्र त्रिवेदी अपने विभाग में चल रही अनियमितताओं के खिलाफ सख्त रुख अपनाए हुए हैं पिछले कुछ समय में राजेन्द्र त्रिवेदी ने कई जिलों में राजस्व विभाग की कचहरी में औचक दौरा करते हुए स्पष्ट चेतावनी दी थी कि लोगों के काम में अनियमितता को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा और दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्यवाही की जाएगी अनियमितता की वजह से सरकार को हुए नुकसान का भी राजेन्द्र त्रिवेदी ने आंकलन किया था उन्होंने लोगों से शिकायत के साथ ही उसके सबूत भी पेश करने का अनुरोध किया था, ताकि सरकार अनियमितता करनेवाले अधिकारी और कर्मचारियों के खिलाफ कार्यवाही कर सके संभवतः राजस्व विभाग में अनियमितताओं की रोकथाम के लिए सरकार ने एक साथ 134 डिप्टी कलेक्टरों को तबादला किया हैं

सिनेलाइफ अवार्ड समारोह शिघ्र आयोजित होंगे

अहमदाबाद,३ फरवरी

गुजराती फिल्म को प्रोत्साहन देने हेतु दिया जानेवाला सिनेलाइफ अवार्ड शिघ्र ही आयोजित होगा। यह सिनेलाइफ अवार्ड समारोह दलपत गोहिल द्वारा आयोजित किया जा रहा है। इस वर्ष क्रएटिव फिल्म्स के निर्माता आकाश तेंदुलकर भी इस फिल्म समारोह में जुड़े हैं। इस अवार्ड समारोह के संदर्भ सिनेलाइफ मेगेझीन के संपादक दलपत गोहेल ने बताया कि हम हर वर्ष चकाचौंध सिहत सिनेलाइफ अवार्ड समारोह का योजन करते है। हमारे अवार्ड समारोह में स्व. नरेश कनोडिया, हितु कनोडिया,रोमा माणेक, विक्रम ठाकोर जैसे नामांकित कलाकारों की मौजूदगी में आयोजित किए जायेंगे। इस वर्ष २०२०-२१में तैयार हुई गुजराती फिल्म के श्रेष्ठ अभिनेता-अभिनेत्री, डिरेक्टर,म्युझिक डिरेक्टर सहित १७५ से अधिक लोगों को अवार्ड देकर समानित करने वाले हैं। इस मीडिया के चेरमेन जस्मीन शाह कांग्रेस के प्रमुख नेता सुरेन्द्र बक्षी जैसे कई लोगों का साथ मिला है। मेरी पत्नि पुरी बहन के निधन के पश्चात हम अथक परिश्रम से इस कार्यक्रम को सफल बनाने मे तत्पर हैं। इस बार हमारे संग क्रिएटीव फिल्म के निमार्ता आकाश तेंदुलकर हमारे साथ है यह हमारे लिए गर्व की बात है। आकाश तेंदुलकर कला क्षेत्र में १९९७ से कार्य रत हैं। जिंदगी में कुछ करने की तमन्ना के संग उन्होंने चार हिन्दी सीरियल,२५ आल्बम और तीन भोजपुरी फिल्म का निर्माण किया है। आकाश भाई के द्वारा शिघ्र ही गुजराती फिल्म भी तैयार की जा रही है।

काशीबाई बाजीराव बल्लाळ में पेशवा के राज्य अभिशेक वाले सीन के लिए पोवाड़ा डांस सीखने में वेंकटेश पांडे ने की आरोही पटेल की मदद

जोधा अकबर और झांसी की रानी जैसे शोज़ की शानदार सफलता के बाद ज़ी टीवी ने हाल ही में अपने सबसे बड़े ऐतिहासिक महाधारावाहिक का प्रीमियर किया, जिसमें मराठा साम्राज्य की सबसे प्रतिष्ठित महिलाओं में से एक काशीबाई बाजीराव बल्लाळ की भुला दी गई कहानी दिखाई जा रही है। यह शो अपनी शुरुआत से ही दर्शकों का दिल जीत रहा है। जहां सेट पर सभी सदस्य एक परिवार की तरह बन गए हैं, वहीं हमारी नन्हीं काशीबाई उर्फ आरोही पटेल सेट पर अपने को-स्टार वेंकटेश पांडे (बाजीराव) से हर दिन कुछ ना कुछ सीख रही हैं और अपने सीन्स को परफेक्ट बनाने की कोशिश कर रही हैं।

इस शो के आने वाले एपिसोड्स में दर्शक देखेंगे कि बाजीराव के पिता बालाजी विश्वनाथ को छत्रपति शाहू महाराज से पेशवा की उपाधि मिलती है, जो उनके और उनकी पत्नी राधाबाई के लिए सपना सच होने जैसा होता है। इस ताजपोशी का जश्न मनाने और अपने योद्धाओं की उपलब्धियों, बहादुरी और वीरता की हौसला अफजाई करने के लिए बाजीराव और काशीबाई अपने लोगों के साथ पोवाड़ा नृत्य करते हैं।

ज्यादा जानने के लिए देखना ना भूलें काशीबाई बाजीराव बल्लाळ, हर सोमवार से शुक्रवार रात 8 बजे, सिर्फ ज़ी टीवी पर।

ड्रीमफोक्स सर्विसेज लिमिटेड ने सेबी के पास डीआरएचपी फाइल की

ड्रीमफोक्स सर्विसेज लिमिटेड (ठड्रीमफोक्सठ या ठकंपनीठ), जो भारत का सबसे बड़ा एयरपोर्ट सर्विस एग्रीगेटर प्लेटफॉर्म है, ने बाजार नियामक भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (ठसेबीठ) के यहाँ अपना ड्राफ्ट रेड हेरिंग प्रॉस्पेक्टस (ठडीआरएचपीठ) दाखिल किया है। ड्रीमफोक्स अपने प्रौद्योगिकी-संचालित प्लेटफॉर्म का उपयोग करते हुए यात्रियों को बेहतर हवाई अड्डा अनुभव की सुविधा प्रदान करता है। कंपनी का एसेट-लाइट बिजनेस मॉडल एकीकृत तकनीकी मंच पर विभिन्न एयरपोर्ट लाउंज ऑपरेटर्स और अन्य एयरपोर्ट संबंधी सेवा प्रदाताओं के साथ मिलकर भारत में परिचालन करने वाले वैश्विक कार्ड नेटवर्क्स, क्रेडिट कार्ड एवं डेबिट कार्ड जारीकर्ता और एयरलाइन कंपनियों सहित अन्य कॉर्पोरेट ग्राहकों को एकीकृत करता है।

ड्रीमफोक्स ने प्रीमियम प्लाजा लाउंज और ट्रैवल क्लब लाउंज जैसे बाजार के अग्रणियों सहित सभी लाउंज ऑपरेटरों के साथ गठजोड़ किया है।

कंपनी ने अपने आईपीओ के जरिए विक्रेता शेयरधारकों द्वारा ऑफर फॉर सेल के माध्यम से 2 रु. के अंकित मूल्य पर 21,814,200 इक्विटी शेयर्स को उपलब्ध कराने की योजना बनाई है। आईपीओ कंपनी की पोस्ट ऑफर पेड-अप इक्विटी शेयर पूंजी का 41.75ज्ञ होगा।

इक्विरस कैपिटल प्राइवेट लिमिटेड और मोतीलाल ओसवाल इन्वेस्टमेंट एडवाइजर्स लिमिटेड, आईपीओ के बुक रनिंग लीड मैनेजर हैं।

पश्चिम रेलवे चलायेगी बांद्रा टर्मिनस एवं भुज के बीच साप्ताहिक सुपरफास्ट स्पेशल ट्रेन

यात्रियों की सुविधा और उनकी मांग को पूरा करने के लिए पश्चिम रेलवे द्वारा बांद्रा टर्मिनस एवं भुज के बीच विशेष किराए पर सुपरफास्ट स्पेशल ट्रेन चलाने का निर्णय लिया गया है।

पश्चिम रेलवे के मुख्य जनसम्पर्क अधिकारी श्री सुमित ठाकुर द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार इस ट्रेन का विवरण इस प्रकार है:-

☐ ट्रेन नंबर 09003/04 बांद्रा टर्मिनस-भुज सुपरफास्ट स्पेशल (साप्ताहिक) ड12 फेरे.

ट्रेन नंबर 09003 बांद्रा टर्मिनस-भुज सुपरफास्ट स्पेशल बांद्रा टर्मिनस से प्रत्येक मंगलवार को 23.55 बजे प्रस्थान करेगी और अगले दिन 14.30 बजे भुज पहुंचेगी। यह ट्रेन 8 फरवरी से 15 मार्च 2022 तक चलेगी। इसी तरह ट्रेन नंबर 09004 भुज-बांद्रा टर्मिनस सुपरफास्ट स्पेशल प्रत्येक बुधवार को भुज से 16.40 बजे प्रस्थान करेगी और अगले दिन 07.50 बजे बांद्रा टर्मिनस पहुंचेगी। यह ट्रेन 9 फरवरी से 16 मार्च, 2022 तक चलेगी। यह ट्रेन दोनों दिशाओं में बोरीवली, वापी, सूरत, भरूच, वडोदरा, आणंद, अहमदाबाद, विरमगाम, धांगध्रा, सामाख्याली, भचाऊ और गांधीधाम स्टेशनों पर रुकेगी। इस ट्रेन में एसी 3 टियर और एसी सीटिंग कोच शामिल हैं।

ट्रेन नंबर 09003 और 09004 की बुकिंग 5 फरवरी, 2022 से पीआरएस काउंटरों और आईआरसीटीसी की वेबसाइट पर शुरू होगी। उपरोक्त ट्रेन पूर्ण रूप से आरक्षित ट्रेनों के रूप में चलेंगी।

यात्री ट्रेनों के परिचालन समय, ठहराव और संरचना से सम्बंधित विस्तृत जानकारी के लिए यात्रा www.enquiry.indianrail.gov.in पर जाकर अवलोकन कर सकते हैं। उल्लेखनीय है कि इन स्पेशल ट्रेनों में कन्फर्म टिकट वाले यात्रियों को ही यात्रा की अनुमति होगी। पश्चिम रेलवे द्वारा यात्रियों को बोर्डिंग, यात्रा और गंतव्य के दौरान कोविड-19 से सम्बंधित सभी मानदंडों तथा एसओपी का पालन करने का अनुरोध किया गया है।

पश्चिम रेलवे

ई-प्रोक्योरमेंट निविदा सूचना सं. एस/03/2022, दिनांक 02.02.2022

क्र.सं.	वस्तुओं का संक्षिप्त विवरण	मात्रा	टी.ओ.डी
33	कॉपर कॉन्टैक्ट वायर ऑइंटलेस, 107 वर्ग मिमी	232875.00 मीटर	16-फरवरी-22
34	गोल्डन येलो	16590.00 लीटर	18-फरवरी-22
35	रिवर्सर जे1 और जे2, कैपेसिटी 1500 एएमपीएस	15.00 सेट	18-फरवर